पटना ●रविवार, 11 अगस्त 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः211 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जिलाधिकारी ने कृषि टास्क फोर्स ... 3 www. bordernewsmirror.com स्त्री 2 के नए गाने... 8

900 किमी की 8 नई रेल लाइन बिछाने की तैयारी

मोदी सरकार ने दी मंजूरी, बिहार को मिली बड़ी सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने करीब 900 किलोमीटर की 8 नई रेलवे लाइन बिछाने की एक महत्वाकांक्षी योजना को आज मंजूरी दे दी है जो पूर्वी भारत में आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार सृजित करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की इन आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी जिनकी कुल अनुमानित लागत 24,657 करोड़ रुपए है। ये परियोजनाएं पांच से छह साल में पूरी करने का लक्ष्य है। रेल, सूचना प्रसारण एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई लाइन के प्रस्ताव सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेंगे और गतिशीलता में सुधार करेंगे, जिससे भारतीय रेलवे के लिए बेहतर दक्षता और सेवा विश्वसनीयता मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भर बनाएगी जिससे उनके रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि ये

परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुई हैं और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी। वैष्णव ने कहा कि सात राज्यों यानी ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के 14 जिलों को कवर करने वाली आठ परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को 900 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी।

इन परियोजनाओं के साथ 64 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा, जो लगभग छह (6) आकांक्षी जिलों (पूर्वी सिंहभूम, भदाद्रीकोठागुडेम, मलकानगिरी, कालाहांडी, नबरंगपुर, रायगढ़ा) तथा 510 गांव और करीब 40 लाख आबादी को कनेक्टिविटी देगी। रेल मंत्री ने कहा कि यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल अजंता गुफाएं भारतीय रेलवे नेटवर्क से जुड़ेंगी, जिससे बड़ी संख्या में पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। ये कृषि उत्पाद, उर्वरक, कोयला, लौह अयस्क, स्टील, सीमेंट, बॉक्साइट, चूना पत्थर, एल्यूमीनियम पाउडर, ग्रेनाइट, गिट्टी, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप अतिरिक्त माल ढुलाई होगी।

कोटे पर कोटा में लागू नहीं होगा क्रीमीलेयर

● सरकार का बड़ा फैसला, कहा-संविधान में कोई प्रावधान नहीं ● सुप्रीम कोर्ट ने कहा था-सरकार को इस पर विचार करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को यह साफ कर दिया कि अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए क्रीमी लेयर का प्रावधान करने का विचार नहीं है। सरकार की ओर से कहा गया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों को सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए आरक्षण मिलता है, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की तर्ज पर क्रीमी लेयर का प्रावधान करने का कोई विचार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार शाम हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने आरक्षण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के हाल में आए आदेश पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आरक्षण के प्रावधानों के संबंध में दिए गए सुझावों पर भी बातचीत हुई।

बाबा साहेब के संविधान के प्रति पूरी तरह वचनबद्ध

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार बाबा साहेब के संविधान के प्रति पूरी तरह वचनबद्ध है।
चर्चा के बाद मंत्रिमंडल का एकमत है कि संविधान के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में क्रीमी लेयर के प्रावधान का सरकार का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि यह व्यवस्था संविधान के अनुरूप ही होनी चाहिए। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने एक आदेश में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में आरक्षण के संदर्भ में जातियों के वर्गीकरण की अनुमति दे दी है। 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ के कुछ जजों ने अपनी टिप्पणियों में इन वर्गों में क्रीमी लेयर के प्रावधान का भी सुझावा दिया है। इससे पहले, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने आज लोकसभा में कहा कि विपक्षी दल एससी-एसटी के अंदर उप-वर्गीकरण की राज्यों को अनुमति देने संबंधी स्ट की टिप्पणी को लेकर समाज को गुमराह नहीं करें।
सदन में प्रश्नकाल के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के सदस्य भाऊसाहेब वाकचौरे के पूरक प्रश्न का उन्होंने उत्तर दिया। मेघवाल ने कहा कि न्यायालय ने कोई फैसला नहीं दिया है, सिर्फ टिप्पणियां की हैं।

विवाद के बाद पहली बार मालदीव पहुंचे एस जयशंकर

माले (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर 3 दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर शुक्रवार शाम मालदीव पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत विदेश मंत्री मूसा जमीर ने किया। जयशंकर 11 अगस्त तक मालदीव में रहेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक शनिवार को उनकी मुलाकात राष्ट्रपति मुइज्जू से हो सकती है। जयशंकर ने

शुक्रवार रात मालदीव के विदेश मंत्री के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि भारत के लिए पड़ोस एक प्राथमिकता है और पड़ोस में मालदीव प्राथमिकता है। हमारे बीच इतिहास और रिश्तेदारी के सबसे करीबी रिश्ते भी हैं। यह यात्रा दोनों देशों की उपलब्धियों का जायजा लेने और आने वाले सालों में बेहतर संबंध तैयार करने के लिए है। पिछले साल मुइज्जू ने सत्ता संभाली थी।

पहले हवाई सर्वेक्षण, फिर सड़क मार्ग से लिया जायजा

● वायनाड के पीड़ितों से मिले पीएम मोदी, लोगों का बांटा दर्द ● बारिश और भूस्खलन से प्रभावित इलाकों का जाना हाल

वायनाड (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के वायनाड में भारी बारिश और भूस्खलन से प्रभावित इलाकों का दौरा किया। मोदी ने सबसे पहले कन्नूर एयरपोर्ट पर लैंडिंग की और फिर वायनाड के लिए रवाना हुए।

वायनाड पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और फिर सड़क मार्ग से भी स्थिति का जायज़ा लिया। पीएम मोदी के साथ केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय पर्यटन और पेट्रोलियम राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने राहत शिविरों का दौरा किया और प्रभावित लोगों से मुलाक़ात की। इसके बाद उन्होंने एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और राहत और बचाव कार्यों की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब केरल सरकार ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए केंद्र सरकार से 2,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी है। भूस्खलन की इस त्रासदी में अब तक 226 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और कई लोग अब भी लापता हैं। पीएम मोदी ने बचाव अभियान टीमों से बात की।

17 महीने बाद सुप्रीम कोर्ट ने तानाशाही को कुचला

मनीष सिसोदिया बोले

● केजरीवाल भी जेल से जल्द बाहर आएंगे, भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने एएपी ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा- सुप्रीम कोर्ट ने संविधान का इस्तेमाल करते हुए कल तानाशाही को कुचला। केजरीवाल भी जल्द बाहर आएंगे। भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं है। सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति केस को लेकर 26 फरवरी 2023 को सीबीआई ने और 9 मार्च 2023 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। 17 महीने बाद शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दोनों मामलों में जमानत दी थी। वे शुक्रवार शाम करीब 6 बजे तिहाड़ से बाहर आए। शुक्रवार रात को सिसोदिया अपने घर पहुंचने से पहले केजरीवाल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने केजरीवाल के परिवार से मुलाकात की। शनिवार सुबह उन्होंने एक्स पर पत्नी के साथ चाय पीते हुए तस्वीर शेयर की। इसके बाद करीब 9 बजे वे कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में फिर दिखे 4 आतंकी

● पुलिस ने जारी किया स्केच, नकद ईनाम की घोषणा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने शनिवार को चार आतंकवादियों के स्केच जारी किए, जिन्हें कठुआ जिले के ऊंचे इलाकों में ढोक (मिट्टी के घरों) में देखा गया था। पुलिस ने उनके बारे में विश्वसनीय जानकारी देने वाले को 20 लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है। कठुआ जिले

में 8 जुलाई को माचेडी के सुदूर वन क्षेत्र में सेना के गश्ती दल पर आतंकवादियों द्वारा घातक हमला किया गया था। इस हमले में एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित पांच सैनिक शहीद हो गए थे। व्यापक तलाशी अभियान के बावजूद, पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े कश्मीर टाइगर्स के आतंकवादी अभी तक पकड़ में नहीं आ पाए हैं। वे पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ कर आए थे।

शेख हसीना के बाद बांग्लादेश में चीफ जस्टिस का इस्तीफा

छात्रों ने दोपहर तक का अल्टीमेटम दिया था, कहा-कुर्सी से खींचकर उतारेंगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन ने इस्तीफा दे दिया है। उनके इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी छात्रों ने शनिवार सुबह सुप्रीम कोर्ट को घेर लिया था। प्रदर्शनकारी बड़ी तादाद में वहां इकट्ठा हुए थे। छात्रों ने कहा, अगर जजों ने इस्तीफे नहीं दिए तो हसीना की तरह उन्हें भी कुर्सी से खींचकर उतार देंगे।÷ प्रदर्शनकारी छात्रों ने आरोप लगाए थे कि सुप्रीम कोर्ट के जज हसीना से मिले हुए हैं। इन जजों ने अंतरिम सरकार से पूछे बिना ही शनिवार को पूरी कोर्ट की एक बैठक बुलाई। इस मीटिंग के चलते प्रदर्शनकारियों ने एक घंटे के भीतर जजों से इस्तीफा देने की मांग की। हसन को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का करीबी भी माना जाता है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच देश के मुख्य न्यायाधीश के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। शनिवार को ढाका में

हाई कोर्ट बिल्डिंग के सामने सैकड़ों प्रदर्शनकारी एकत्र हुए, उन्होंने चीफ जस्टिस समेत सात जजों के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारी शांतिपूर्ण धरने पर बैठे हुए थे और उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वे इस आंदोलन को जारी रखेंगे। इस बीच सुरक्षा को देखते हुए हाई कोर्ट परिसर में बांग्लादेश सेना के जवानों को तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों के हाथों में राष्ट्रीय ध्वज था।

झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर को झटका

● कोर्ट ने नहीं सुनी अर्जी, खारिज की जमानत याचिका

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक आलमगीर आलम को झटका देते हुए कोर्ट ने शुक्रवार को उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया। विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने आलम की जमानत अर्जी पर सुनवाई करते हुए कहा कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति होने के कारण सबूतों को छिपा सकते हैं और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। न्यायाधीश प्रभात कुमार शर्मा ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध राष्ट्रीय हित के लिए आर्थिक खतरा है और यह अपराधियों द्वारा

उचित साजिश, जानबूझकर डिजाइन और व्यक्तिगत लाभ के उद्देश्य से किया जाता है, भले ही समाज और अर्थव्यवस्था पर इसका कोई असर न पड़े। आलमगीर ठेकों में कमीशनखोरी से प्राप्त बड़ी रकम की मनी लांड्रिंग करने के आरोप में जेल में बंद है।

गिद्ध जैसे नोचा शरीर, कुचला प्राइवेट पार्ट, फिर की हत्या

हिला देगी कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट

कोलकाता (एजेंसी)। वह बहुत होनहार थी। माता-पिता और उसका सपना पूरा हो गया था। दिन-रात कड़ी मेहनत के बाद वह डॉक्टर बन गई थी। आंखों में कई सपने थे लेकिन सारे सपनों संग वह इस दुनिया को छोड़कर चली गई। उसके चेहरे से लेकर पांव तक कई घाव थे। प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। गर्दन के पास, गाल और ओंठों पर चबाने के निशान थे। उसे देखकर ही लग रहा था कुछ अनहोनी हुई है। पोस्टमॉर्टम हुआ तो डॉक्टर्स की भी रुह कांप गई। उसे एक दरिंदे इंसान ने गिद्ध की तरह नोचा था।

उसके मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके साथ हैवानियत की। एक दो बार नहीं कई बार रेप किया। उसका प्राइवेट पार्ट बुरी तरह से जखमी हो गया, खून बहन लगा। वह लड़ी और बचने की पूरी कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाई। उसकी लाश को जिसने देखा, रो पड़ा। यह दर्दनाक कहानी है कोलकाता में सरकारी मेडिकल कॉलेज में काम करने वाली एक ट्रेनी डॉक्टर की। वह रोज की तरह नाइट शिफ्ट में थी, थोड़ा आराम करने सेमिनार हॉल में गई थी लेकिन नहीं जानती थी कि वह अब कभी वहां से नहीं निकल पाएगी।

संजय रॉय नाम का एक शख्स अरेस्ट

वीडियोग्राफी के साथ ट्रेनी डॉक्टर के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। उसकी प्रारंभिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यौन उत्पीड़न के बाद हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने अब ताला पुलिस थाने में मामला दर्ज किया है और एक आरोपी संजय रॉय को गिरफ्तार किया है, जो मेडिकल कॉलेज का अस्थाई कर्मचारी है। चार पन्नों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, महिला डॉक्टर के गुप्तांग से खून बह रहा था। शरीर के अन्य हिस्सों में चोट के निशान थे। उसकी दोनों आंखों और मुंह से खून बह रहा था, चेहरे और नाखून पर चोट के निशान थे। उसके पेट, बाएं पैर, गर्दन, दाएं हाथ, अनामिका और होंठों पर भी चोट के निशान थे।

थोड़ी देर रेस्ट करने गई पर नहीं लौटी

ट्रेनी डॉक्टर चेस्ट रोग चिकित्सा विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी और गुरुवार की रात ड्यूटी पर तैनात थी। रात को एक जूनियर डॉक्टर के साथ खाना खाने के बाद वह सेमिनार हॉल में थोड़ी देर रेस्ट करने गई थी। वह सुबह तक नहीं लौटी और बाद में वह सेमिनार हॉल में अर्धनग्न और चुटहिल पाई गई थी।

दिल्ली कोचिंग हादसे के बाद पटना में कड़ाई, 138 संस्थानों लग सकता है ताला, 1 लाख तक जुर्माना भी

पटना, एजेंसी। दिल्ली कोचिंग हादसे के बाद बिहार में इन संस्थानों पर सख्ती बढ़ा दी गयी है। राजधानी पटना में 138 कोचिंग संस्थानों के निबंधन के लिए आवेदन अस्वीकृत कर दिए गए हैं। अनुमंडल पदाधिकारी रद्द आवेदन वाले संस्थानों की जांच करेंगे। जांच में देखा जाएगा कि निबंधन के लिए अयोग्य पाए गए आवेदन वाले कोचिंग संस्थानों का अवैध ढंग से संचालन तो नहीं हो रहा है। यदि अवैध ढंग से संचालन हो रहा हो तो उनपर कार्रवाई होगी। मानक पुरा नहीं करने वाले कोचिंग संस्थानों पर ताला लग सकता है। उन पर 25 हजार से 1 लाख तक जुर्माना भी लगाया जा सकता है। डीएम चंद्रशेखर सिंह ने सभी एसडीएम को कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर सिंह की अध्यक्षता में जिलास्तरीय कोचिंग निबंधन समिति की बैठक हुई। इसमें वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा, जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना शिक्षा) राजकमल एवं समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। बता दें कि जिलान्तर्गत कोचिंग के निबंधन के लिए कुल 936 आवेदन प्राप्त हुआ था। इसमें 413 कोचिंग का निबंधन पहले हो चुका है। शेष 523 आवेदनों में 138 की जांच की गई थी। आवेदनों की जांच के बाद इन 138 कोचिंग संस्थानों को निबंधन के लिए अयोग्य पाते हुए इन आवेदनों को अस्वीकृत कर दिया गया था। जिलाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को इन 138 अस्वीकृत आवेदनों की सूची अनुमंडलवार अलगअलग कर संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही निबंधन के लिए लंबित आवेदनों का जल्द से जल्द निपटारा करने के लिए निर्देश दिया गया है।

कोचिंग संस्थानों को भेजा जा रहा नोटिस : पदाधिकारियों की टीम द्वारा जांच में जिन-जिन कोचिंग संस्थानों में कमियां पायी गई है उन के संचालकों और प्रबंधकों को इस आशय का नोटिस दिया जा रहा है कि अधिनियम के प्रावधानों के तहत क्यों नहीं उनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाए। अगर स्थिति मे सुधार नहीं किया तो कई संस्थानों पर ताला लग जाएगा। नोटिस प्राप्ति के साथ उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जा रहा है। अधिनियम के किसी प्रावधान का उल्लंघन करने पर प्रथम अपराध के लिए 25,000 रुपये और द्वितीय अपराध के लिए 1,00,000 रुपये के दंड का प्रावधान है। द्वितीय अपराध के बाद निबंधन रद्द किए जाने का भी प्रावधान है।

बिना निबंधन के नहीं चलेंगे कोचिंग संस्थान : कोई भी कोचिंग संस्थान बिना वैध निबंधन प्रमाण पत्र प्राप्त किए ना तो स्थापित किया जाएगा और ना चलाया जाएगा। कोचिंग संस्था की आधारभूत संरचना के अधीन प्रति क्लास रूम में प्रति छात्र न्यूनतम 1 वर्ग मीटर जगह होगा। क्लास रूम में प्रवेश एवं निकास अवरोधमुक्त होना चाहिए। बिल्डिंग बायलॉज और अग्नि सुरक्षश के मानकों का अनुपालन सुनिश्चित होना चाहिए। जिलाधिकारी डॉ.चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि उपर्युक्त तीनों मानकों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ में हाईवे पर 1258 लीटर ब्रांडेड शराब पकड़ी गई

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में नेशनल हाईवे पर चेकिंग के दौरान आबकारी विभाग ने शराब की बड़ी खेप बरामद की है। इटौंजा से लखनऊ की तरफ आने वाले रास्ते पर इनपुट मिलने पर आबकारी विभाग ने नरेशन लॉन एंड बैंक्वेट हाल के पास बिहार नंबर की ट्रक को रोका, चेकिंग और पूछताछ करने पर डीसीएम में मशीनरी पार्ट्स के बॉक्स मिले। इस दौरान ड्राइवर ने मशीनरी पार्ट्स को मुजफ्फरपुर ले जाने की जानकारी दी, लेकिन इनपुट की सूचना के आधार पर आबकारी विभाग ने मशीनरी पार्ट्स को हटाकर डीसीएम की चेकिंग दोबारा की तो इसमें कई कार्टून दिखे, जिसके बाद इसे बाहर निकालकर जांच की गई। इनमें रॉयल स्टैग शराब की ब्रांडेड बोतलें बरामद हुईं।

डीएसपी के घर के आगे से बाइक चोरी-पटना सिटी में शिक्षक की बाइक ले गए चोर, सीटीटीवी में दिखा आरोपी

पटना, एजेंसी। पटना सिटी में सविता सदन टीचर कॉलोनी में एक डीएसपी के घर के आगे लगी बाइक चोरी हो गई। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी युवक दिखा है। मामला बाईपास थाना इलाके की है। इसकी लिखित शिकायत की गई है। पीड़ित शिक्षक सुधीर कुमार चौधरी ने बताया कि मारवाड़ी हाई स्कूल पटना सिटी में शिक्षक हैं। उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग के डीएसपी रवि रुद्र के घर में किराए पर रहते हैं। घटना 6 अगस्त की ही है। वह घर के नीचे बाइक लगाकर सो रहे थे। देर रात करीब 3:22 पर एक चोर बाइक में चाबी लगाकर लेकर चला गया। उन्होंने इसकी लिखित शिकायत बाईपास थाने में की है। घटना के बाद पूरे मामले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। उन्होंने यह भी कहा कि आवेदन देने के बाद पुलिस की ओर से आश्वासन दिया गया है।

रेलवे ट्रैक पर रील बनाया तो खैर नहीं, पकड़े जाने पर आरपीएफ करेगी यह कार्रवाई, टोल-फ्री नंबर जारी

पटना, एजेंसी। रील बनाकर फेमस होने और पैसे कमाने की चाहत और लत में आज करोड़ों लोग बुरी तरह से फंस गए हैं। गाड़ियों पर स्टंट, कभी भद्दे और अमानक गतिविधि, कभी उफनती नदी या पुल से वीडियो तो कभी चलती ट्रेन से लेकर पटरी तक खतरनाक रील बनाकर वायरल किए जा रहे हैं। इस पर रोक लगाने के लिए प्रसाशन की ओर से कई कदम उठाए जा रहे हैं। फिर भी गलत तरीके से रील बनाने का सिलसिला थम नहीं रहा। इसे देखते हुए रेलवे ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिया है। यात्री सुरक्षा व संरक्षित रेल परिचालन के मद्देनजर आरपीएफ मुख्यालय ने ट्रैक पर रील बनाने वाले लोगों के खिलाफ सख्ती करने का निर्देश आरपीएफ को दिया है। रेल लाइन की निगरानी बढ़ाने के साथ रील आदि बनाने के दौरान ट्रैक से छोड़छाड़ करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनको जेल भेजने को कहा है। कहा है कि सभी अधिकारी अपने अपने कार्यक्षेत्र में सुनिश्चित करें कि रेलवे ट्रैक पर रील बनाने की घटनाओं पर पूरी तरह से विराम लगे। बीते सप्ताह आरपीएफ ने रील्स बनाने के लिए रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ करने वाले यू-ट्यूबर को प्रयागराज से गिरफ्तार किया था। इसके बाद आरपीएफ मुख्यालय ने ऐसे मामलों की समीक्षा की। इसमें पाया गया कि इन दिनों ट्रेन, रेलवे ट्रैक, फूट ओवर ब्रिज , प्लेटफॉर्म, जंक्शन और स्टेशन पर रील्स बनाने का चलन बढ़ा है। यही नहीं, कई तरह की गैर कानूनी गतिविधियां और ट्रैक से छेड़छाड़ से संबंधित रील को चिह्नित भी किया गया। समीक्षा में बताया गया कि ऐसे लोगों की गतिविधियां यात्री सुरक्षा व संरक्षित रेल परिचालन दोनों के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करती हैं।

भोजपुर के रास्ते गुजरे दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें:रक्सौल और लोकमान्य तिलक आना-जाना होगा आसान

यात्रियों को मिलेगी सुविधा

आरा(भोजपुर), एजेंसी। यात्रियों की अत्याधिक भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा रक्सौल से लोकमान्य तिलक के मध्य 02 जोड़ी स्पेशल ट्रेन 05557/05558 एवं 05585/05586 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल सुपरफास्ट स्पेशल का परिचालन किया जाएगा । गाड़ी सं. 05557/05558 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल सुपरफास्ट स्पेशल सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर,आरा, बक्सर के रास्ते लोकमान्य तिलक को जायेगी ।जिसकी जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने दी है।

1. गाड़ी सं. 05557/05558 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल सुपरफास्ट स्पेशल (सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू के रास्ते) - गाड़ी सं. 05557 रक्सौल-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट स्पेशल 13.08.2024 से 27.08.2024 तक सप्ताह के प्रत्येक मंगलवार को रक्सौल से 19.15 बजे खुलकर 20.05 बजे बैरगनिया, 20.50 बजे सीतामढ़ी, 22.45 बजे मुजफ्फरपुर, बुधवार को 00.01 बजे हाजीपुर, 01.05 बजे पाटलिपुत्र, 01.50 बजे आरा, 02.40 बजे बक्सर एवं 05.00 बजे डीडीयू रूकते हुए गुरूवार को 05.50 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी । वापसी में, गाड़ी सं. 05558 लोकमान्य तिलक-रक्सौल सुपरफास्ट स्पेशल 15.08.2024 से 29.08.2024 तक सप्ताह के प्रत्येक गुरूवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 07.55 बजे खुलकर शुक्रवार को 07.15 बजे डीडीयू, 08.28 बजे बक्सर, 09.18 बजे आरा, 10.00 बजे पाटलिपुत्र, 11.05 बजे हाजीपुर, 12.35 बजे मुजफ्फरपुर, 14.55 बजे सीतामढ़ी, 15.26 बजे बैरगनिया रूकते हुए 16.50 बजे रक्सौल पहुंचेगी । इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी के 02, तृतीय वातानुकूलित श्रेणी का 03 एवं शयनयान श्रेणी का 15 कोच होंगे जिनमें शयनयान श्रेणी के 04 कोच साधारण श्रेणी के रूप चिन्हित होंगे । 2. गाड़ी सं. 05585/86 रक्सौल-लोकमान्य तिलक-रक्सौल सुपरफास्ट स्पेशल (सीतामढ़ी-दरभंगा-समस्तीपुर-बरौनी-पटना-डीडीयू के रास्ते) - गाड़ी सं. 05585 रक्सौल-लोकमान्य तिलक सुपरफास्ट स्पेशल 09.08.2024 से 30.08.2024 तक सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को रक्सौल से 16.55 बजे खुलकर 17.44 बजे बैरगनिया, 18.25 बजे सीतामढ़ी, 18.52 बजे जनकपुर रोड, 19.16 बजे कमतौल, 19.58 बजे दरभंगा, 21.20 बजे समस्तीपुर, 22.25 बजे बरौनी रूकते हुए शनिवार को 00.40 बजे पटना एवं 05.00 बजे डीडीयू रूकते हुए रविवार को 05.30 बजे लोकमान्य तिलक पहुंचेगी ।

वापसी में, गाड़ी सं. 05586 लोकमान्य तिलक-रक्सौल सुपरफास्ट स्पेशल 11.08.2024 से 01.09.2024 तक सप्ताह के प्रत्येक रविवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनल से 16.35 बजे खुलकर सोमवार को 19.38 बजे डीडीयू, 22.25 बजे पटना, मंगलवार को 01.25 बजे बरौनी, 03.10 बजे समस्तीपुर, 04.07 बजे दरभंगा, 04.32 बजे कमतौली, 04.50 बजे जनकपुर रोड, 05.20 बजे सीतामढ़ी एवं 05.56 बजे बैरगनिया रूकते हुए 07.45 बजे रक्सौल पहुंचेगी । इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी का 14 कोच होंगे तथा साधारण श्रेणी 08 कोच होंगे।

बिहार शरीफ में सिपाही भर्ती परीक्षा की तैयारियां पूरी

नालंदा, एजेंसी। बिहार शरीफ में सिपाही भर्ती के लिए आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा की तैयारियां पूरी हो गई हैं। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा आयोजित यह परीक्षा आगामी 11 अगस्त, रविवार को बिहारशरीफ जिला मुख्यालय के 25 परीक्षा केंद्रों पर होगी। इस परीक्षा में कुल 18,390 उम्मीदवार भाग लेंगे। परीक्षा का आयोजन एक ही पाली में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। उम्मीदवारों को सुबह 9:30 बजे तक परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा। प्रशासन ने परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए कड़े इंतजाम किए हैं।

प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक केंद्र प्रेक्षक, दो स्टैटिक दंडाधिकारी और दो पुलिस पदाधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, 12 गश्ती दल और 5 उड़नदस्ता दल भी परीक्षा के दौरान सतर्क रहेंगे। परीक्षा केंद्रों के 500 गज के दायरे में धारा 144 लागू रहेगी।

नियमों का पालन करें

जिला प्रशासन ने एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया है, जिसका फोन नंबर 06112-235288 है। परीक्षार्थियों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे मोबाइल फोन या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को परीक्षा हॉल में न लाएं। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया की हमने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी की जाएगी। हमारा लक्ष्य है कि परीक्षा पूरी तरह से निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने सभी उम्मीदवारों से अपील की है कि वे समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचें और नियमों का पालन करें।

डाक विभाग की पहल से घर-घर पहुंचेगा राष्ट्रीय गौरव

ऑनलाइन खरीदारी के लिए पोर्टल पर कर सकते हैं विजिट, 25 रुपए रखी गई है कीमत

नालंदा, एजेंसी। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी हर घर तिरंगा अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए भारतीय डाक विभाग ने एक अभिनव पहल की शुरुआत की है। इस पहल के तहत, देश के हर नागरिक को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का सुगम अवसर प्रदान किया जा रहा है। नालंदा के डाक अधीक्षक कुंदन कुमार ने इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया की हमारा लक्ष्य है कि देश का हर घर तिरंगे से सजे। इसी उद्देश्य से हमने तिरंगे को मात्र 25 रुपए की किफायती कीमत पर उपलब्ध कराया है। उन्होंने आगे बताया कि लोग अपने नजदीकी डाकघर से या फिर घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से भी झंडे की खरीदारी कर सकते हैं। ऑनलाइन खरीदारी के लिएविभागीय पोर्टल का उपयोग किया जा सकता है। यह सुविधा उन लोगों के लिए विशेष रूप से लाभदायक है जो समय की कमी या अन्य कारणों से डाकघर तक नहीं पहुंच सकते। राष्ट्रीय ध्वज का आकार 20 इंच गुणा 30 इंच निर्धारित किया गया है, जो कि एक आम घर के लिए उपयुक्त है। महत्वपूर्ण बात यह है कि तिरंगे पर कोई अतिरिक्त कर (जीएसटी) नहीं लगाया गया है, जिससे यह हर वर्ग के लोगों की पहुंच में है।

डिलीवरी पूरी तरह नि :शुल्क

डाक विभाग ने यह भी सुनिश्चित किया है कि

झंडे की डिलीवरी पूरी तरह नि:शुल्क हो। श्री कुमार ने इस संबंध में कहा, हमारा मानना है कि राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक को घर-घर तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। इसलिए हमने किसी भी ऑर्डर पर डिलीवरी शुल्क नहीं रखा है।इस अभियान की सफलता में डाक विभाग के कर्मचारियों की भूमिका अहम है। डाकपाल श्री राजीव रंजन कुमार ने बताया, हम सभी इस राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनकर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों तक यह संदेश पहुंचे और वे इस अभियान में भाग लें। हर घर तिरंगा अभियान न केवल देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देता है, बल्कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता का भी प्रतीक है। डाक विभाग की यह पहल निश्चित रूप से इस अभियान को एक नई दिशा और गति प्रदान करेगी, जिससे देश के कोने-कोने में तिरंगे की गौरवशाली उपस्थिति सुनिश्चित होगी।

बिहार के 38 जिलों में 20 सूत्री कमेटी गठित, नीतीश ने बीजेपी-जेडीयू-हम-एलजेपीआर के नेताओं को किया सेट

पटना, एजेंसी। नीतीश सरकार ने बिहार के सभी 38 जिलों में जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यान्वयन अर्थात 20 सूत्री समिति का गठन कर दिया है। शुक्रवार की देर रात इसकी जिलावार अधिसूचना जारी कर दी गई। गौर हो कि राज्य में जनवरी अंत में एनडीए सरकार के गठन के साथ ही महागठबंधन सरकार में बनी ये कमेटियां भंग कर दी गयी थीं। हर जिले में सत्ताधारी दलों से जुड़े राजनैतिक कार्यकर्ताओं को सेट किया गया है। शुक्रवार देर रात कैबिनेट विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार सभी जिलों में प्रभारी मंत्री अध्यक्ष बनाये गये हैं। बीस सूत्री कमेट में एनडीए सरकार में शामिल भाजपा और जदयू समेत अन्य सहयोगी दलों हम और लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्षों को बतौर उपाध्यक्ष कमेट में शामिल किया गया है। हर जिला समिति में एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष समेत कुल 25 सदस्य मनोनीत किये गये हैं। जिले के सभी लोकसभा और राज्यसभा सांसद, विधायक, विधान पार्षद, जिला परिषद के अध्यक्ष, नगर निगम के महापौर इसके पदेन सदस्य होंगे।

वहीं, डीएम सचिव होंगे। कैबिनेट विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार सभी जिलों के प्रभारी मंत्री को अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं एनडीए सरकार में शामिल बीजेपी और जदयू के साथ लोजपा रामविलास और जीतनराम मांझी की पार्टी हम के जिलाध्यक्षों को उपाध्यक्ष बनाया गया है। जिले के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में गठित 20 सूत्री कमेटी में लोकसभा सांसद पदेन सदस्य, वैसे राज्यसभा के सदस्य जिनका गृह जिला उक्त जिले में अवस्थित है वे भी पदेन सदस्य होंगे। जिले के विधानसभा के सभी विधायक पदेन सदस्य, जिले के वैसे विधान परिषद के सदस्य जिनका गृह जिला उस जिले में स्थित है पदेन सदस्य के रूप में शामिल होंगे। जिला परिषद के अध्यक्ष, जिला नगर निगम के महापौर, नगर पर्षद, नगर पंचायत के अध्यक्ष पदेन सदस्य होंगे तो जिले के डीएम इस कमेटी के सदस्य सचिव होंगे। इसके अतिरिक्त डीडीसी, एसपी, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी जिला स्तरीय प्रशासनिक एवं तकनीकी पदाधिकारी, जिला लीड बैंक प्रबंधक, जिले में स्थित विभिन्न बैंकों के समन्वयक तथा नाबार्ड के डीडीएम भी पदेन सदस्य के रूप में काम करेंगे। समिति के मनोनीत नामित सदस्यों का कार्यकाल अधिसूचना जारी होने की तिथि से अगले आदेश तक मान्य होगा। राजनीति के जानकार बताते हैं कि नीतीश कुमार ने आगामी बिहार विधानसभा के चुनाव को देखते हुए बीस सूत्री कमेटी बनाई है। इसके माध्यम से सरकार जहां जिलों में विकास कार्यों को नियंत्रित कर पाएगी वहीं अपने कार्यकर्ताओं को संतुष्ट भी कर पाने में सफल होगी।

पूर्व एमएलसी के सिक्योरिटी गार्ड के साथ मारपीट, सदर अस्पताल में पीड़ित भर्ती

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद के पूर्व एमएलसी राजन सिंह के सिक्योरिटी गार्ड के साथ मारपीट हुई। घायल को औरंगाबाद सदर अस्पताल में इलाज के लिए रात करीब 12:00 बजे के आसपास भर्ती करवाया गया। घायल की पहचान नगर थाना क्षेत्र के सत्येंद्र नगर कॉलोनी महाकाल मंदिर के समीप निवासी राकेश राय के रूप में की गई है। घायल ने बताया कि पूर्व एमएलसी राजन सिंह का भरथौली नहर के समीप स्थित राजन ममता डिग्री कॉलेज में सिक्योरिटी गार्ड के पद पर कार्यरत हूं। घायल ने बताया कि 5 से 6 की संख्या में कुछ लोग आए और कॉलेज कैंपस से बाहर ले जाकर मारपीट करने लगे। जिससे मैं घायल हो गया। बताया जाता है कि शुक्रवार की सुबह किसी बात को लेकर रत्ना भारथौली के पास घायल की अमूल सिंह नाम के व्यक्ति के साथ बहस हुई थी। जिसके बाद मारपीट की घटना घटी। फिलहाल घायल का इलाज औरंगाबाद से अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि आवेदन प्राप्त होने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

जिलाधिकारी ने कृषि टास्क फोर्स की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा शनिवार को अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि टास्क फोर्स की बैठक में कृषि, पशु एवं मत्स्य संसाधन, गव्य विकास सहित जीविका के कार्यों की समीक्षा की गई एवं पदाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि कहा कि जिला को जो लक्ष्य प्राप्त है इसका शत प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की जाए।समीक्षा के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि खरीफ 2024 अंतर्गत राज्य स्तर से प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप शत्-प्रतिशत बीज का वितरण पूर्ण कर लिया गया है। डीजल अनुदान योजनान्तर्गत 6317 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें 411 आवेदनों को स्वीकृत करते हुए राज्य सरकार के स्तर को भेजा गया है। उक्त किसानों के बीच 774788 रूपया अनुदान राज्य स्तर से संबंधित कृषकों को डीबीटी के माध्यम से भेजा गया है साथ ही कृषि यांत्रिकरण योजना अंतर्गत कुल 4738260 रूपये का भुगतान कृषकों के बीच किया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत ईकेवाईसी अंतर्गत 29251 किसानों का ईकेवाईसी लंबित है तथा एनपीसीआई अंतर्गत 18785 किसानों का एनपीसीआई लंबित है। जिसे पूर्ण कराने हेतु सभी कृषि समन्वयक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं किसान सलाहकार को निदेशित किया गया है। सहायक निदेशक रसायन द्वारा बताया गया कि मिट्टी नमूना लक्ष्य 25300 के विरूद्ध 21657 नमूना प्राप्त कार्यालय को प्राप्त हुआ है। जिसमें 1581 किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड वितरण किया गया है। वहीं जिला पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि पशु चिकित्सा के लिए प्रतिमाह 8 चलंत पशु चिकित्सा शिविर लगाए जाने का लक्ष्य प्राप्त है। विगत जुलाई माह में आठ सहित इस वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अभी तक 29 चलंत पशु चिकित्सा शिविर लगाया गया है जिसमें जुलाई माह सहित कुल 1267 पशुपालकों की भागीदारी हुई है। इन शिविरों के माध्यम से 5953 पशुओं के लिए निःशुल्क दवा का वितरण एवं चिकित्सीय परामर्श दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि नस्ल सुधार के लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्य के अंतर्गत मैत्री द्वारा कुल 6976 पशुओं का कृत्रिम गर्भाधान कराया गया है। जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बताया कि पशु स्वास्थ्य रक्षा कार्यक्रम अंतर्गत लंपी स्किन रोग के विरुद्ध 361265 टीकाकरण, पीपीआर के विरुद्ध 753002 टीकाकरण तथा ब्रूसेलोसिस के विरुद्ध 31538 टीकाकरण का कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में पूर्वी चंपारण जिला अंतर्गत 18 कृत्रिम गर्भाधान केंद्र कार्यरत हैं। राष्ट्रीय गोवंश नस्ल सुधार एवं डेयरी विकास कार्यक्रम अंतर्गत सभी पंचायत में पशु नस्ल सुधार के लिए कृत्रिम गर्भाधान कार्य हेतु मैत्री द्वारा कार्य किया जाएगा। मैत्री के रूप में दसवीं उत्तीर्ण स्थानीय बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार के लिए चयन किया जाना है। वर्तमान में जिला अंतर्गत कुल 25 मैत्री द्वारा चयनित पंचायत में कृत्रिम गर्भाधान का कार्य किया जा रहा है।

सीएमआर अधिप्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी ने की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

शनिवार को अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी श्रेष्ठ अनुपम की अध्यक्षता में जिला प्रबंधक, राज्य खाद्य निगम, मोतिहारी, सभी प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, सदर अनुमंडल, पैक्स अध्यक्ष एवं संबंधित मिलर की बैठक विस्तारित अवधि दिनांक-20.08.2024 तक शत् प्रतिशत सीएमआर अधिप्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु आहूत की गई। बैठक में प्रखण्डवार अवशेष सीएमआर की स्थिति की समीक्षा की गई जिसमे सुगौली में 18 लॉट, बंजरिया में 15 लॉट, तुरकौलिया में 19 लॉट, मोतिहारी में 19 लॉट, कोटवा में 06 लॉट तथा पिपरा कोठी में 01 लॉट सहित कुल 78 लॉट अवशेष पाया गया। इन प्रखंडों के प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि विभाग द्वारा सीएमआर जमा करने में अंतिम रूप से दिनांक 20.08.2024 तक अवधि विस्तार दिया गया है। उक्त निर्धारित तिथि तक में लंबित सीएमआर शत् प्रतिशत राज्य खाद्य निगम, मोतिहारी के सीएमआर संग्रह केन्द्रों पर अनिवार्य रूप जमा करना सुनिश्चित करें। विगत सप्ताह से अबतक सीएमआर जमा करने में लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति नहीं होने पर असंतोष व्यक्त किया गया। प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों को सख्त निदेशित किया गया कि जिस पैक्स के पास अधिक संख्या में सीएमआर जमा करना बाकी है, उन पैक्स अध्यक्षों से सम्पर्क स्थापित करते हुए सीएमआर में गिराने में तेजी लायें। प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों के द्वारा जानकारी दी गई कि पैक्स अध्यक्ष अपने कार्य स्थल पर एवं घर पर नहीं मिलते है। ऐसे में अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन पैक्स अध्यक्ष के द्वारा सीएमआर जमा करने में आना-कानी की जा रहा है एवं कार्य स्थल पर या घर पर नहीं मिलते है, उनके विरूद्ध पुलिस बल के साथ जाकर पैक्स अध्यक्षों की खोज कर सीएमआर जमा कराने की दिशा में सख्त कार्रवाई करें। अनुमंडल पदाधिकारी, सदर, मोतिहारी के द्वारा स्पष्ट किया गया कि वर्तमान में अधिप्राप्ति हेतु उक्त विस्तार अवधि के उपरांत आगे अवधि विस्तार विभाग द्वारा दिये जाने की संभावना नहीं है। ऐसे में दिनांक 20.08.2024 तक शत्-प्रतिशत सीएमआर नहीं गिराने की स्थिति में पैक्स/मिलर/प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी को चिन्हित करते हुए सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

डॉ संजय जयसवाल ने हर घर पर तिरंगा लहराने के लिए नागरिकों से की अपील

बीएनएम। मोतिहारी

स्वतंत्र दिवस के अवसर पर भाजपा पूरे देश में तिरंगा यात्रा निकालने और हर घर पर तिरंगा लहराने के लिए नागरिकों से अपील करती है। उक्त बातें पश्चिम चंपारण के सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जयसवाल ने मीडिया को संबोधित करते हुए आज अपील किया। उन्होंने कहा कि इस देश की आजादी हमें बहुत बड़ी कुर्बानी चुकाने के बाद हासिल हुई है,जिसकी हिफाजत करना हमारा कर्तव्य ही नहीं धर्म भी है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर प्रखंड में एक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें जिले के सभी भाजपा सांसद एवं विधायक शामिल होंगे।

सांसद डॉक्टर जायसवाल ने कहा कि 14 अगस्त देश के लिए एक दुर्भाग्य का दिन था क्योंकि उसी दिन हमारे देश का विभाजन हुआ था और पाकिस्तान के रूप में एक अलग देश बना था। जिसमें हमारे करोड़ों लोग में घर कर दिए गए और लाखों लोग मारे गए थे। उनकी याद में भाजपा पूरे देश में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित करेगी और विभाजन विविधता वीभित्सिका दिवस मनाएगी।

साइक्लिंग प्रतिभा खोज से होगी अच्छे साइक्लिस्ट की पहचान : कौशल

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला खेल प्रशासन एवं पूर्वी चम्पारण जिला साइक्लिंग संघ के देखरेख में एकलव्य आवासीय साइक्लिंग सेलेक्शन ट्रायल का आयोजन शनिवार को स्पोर्टस कल्ब स्टेडियम में किया गया।

मौके पर साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के सचिव डॉ. कौशल सिंह ने कहा कि बिहार में खुलने वाले चार एकलव्य आवासीय साइक्लिंग केंद्र (बालक-बालिका) के लिए खिलाड़ियों का चयन सेलेक्शन ट्रायल के द्वारा किया जाएगा। जिसकी शुरुआत मोतिहारी से हुई है। राज्य में साइक्लिंग के क्षेत्र में छिपी हुई प्रतिभा को चिन्हित करने के लिए सेलेक्शन ट्रायल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि साइक्लिंग प्रतिभा खोज एक बेहतर प्रक्रिया है,जिसके माध्यम से अच्छे साइक्लिस्ट की पहचान की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रतिभा खोज के माध्यम से चयनित खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री खेल विकास योजना के तहत राज्य में खुलने वाली चार एकलव्य आवासीय साइक्लिंग प्रशिक्षण केंद्रों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना के तहत आवासन, भोजन और पढ़ाई की सुविधा निशुल्क राज्य सरकार के द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। जिला साइक्लिंग संघ के अध्यक्ष डॉक्टर अतुल कुमार ने कहा कि ट्रायल के माध्यम से अच्छे बच्चे सामने आएंगे जो प्रशिक्षण के माध्यम से बेहतर

खिलाड़ी के रूप में उभरेंगे।स्पोर्टस क्लब के सचिव प्रभाकर जायसवाल ने कहा कि एकलव्य आवासीय केंद्र के लिए बेहतर बच्चों को सामने लाने के लिए सेलेक्शन ट्रायल एक बेहतर प्रक्रिया है। सेलेक्शन के तहत रनिंग, वर्टिकल जम्प और ब्रॉडगेज जम्प में बच्चों ने भाग लिया।

उन्होंने कहा कि बालक वर्ग में 1600 मीटर दौड़ और बालिकाओं ने 800 मीटर दौड़ में हिस्सा लिया। स्टेट सेलेक्टर टीम के सदस्यों में साइक्लिंग एसोसिएशन ऑफ़ बिहार के चीफ कोच अभय कुमार लूईस और सीनियर साइक्लिस्ट श्याम कुमार शामिल थे।

तिरंगा फहराने से मन मस्तिष्क में आत्मबल का होता है संचार- प्राचार्य

एलएनडी कॉलेज में फहराया गया तिरंगा

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में राज्यपाल सह कुलाधिपति के निर्देशानुसार शनिवार को महाविद्यालय भवन पर तिरंगा ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि तिरंगा हमारे राष्ट्रीय गौरव और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। तिरंगा फहराने से मन मस्तिष्क में आत्मबल का संचार होता है। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 से 15 अगस्त तक सभी संस्थानों और घरों पर तिरंगा झंडा फहराया जाना है और harghartiranga.com पर फोटो अपलोड करना है। फोटो अपलोड करने पर एक प्रमाण पत्र भी मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य, प्रो. राकेश रंजन, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. दुर्गेश

मणि तिवारी, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. रविरंजन सिंह, डॉ. के के सिन्हा, मंजर ठाकुर, रणविजय कुमार, मनीष कुमार, राजेश कुमार, मुन्ना कुमार, सिकंदर कुमार सहित अन्य की उपस्थिति रही।

चम्पारण महोत्सवः दूसरे दिन कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

- साइकलिंग रेसिंग एवं नृत्य - गान प्रतियोगिता शमिल रहा

बीएनएम। मोतिहारी

द रॉयल फाउंडेशन के द्वारा शनिवार को आयोजित चंपारण महोत्सव का शुभारंभ एसएसबी कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित किया और देश के जवानों के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। प्रफुल कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जवानों की निस्वार्थ सेवा और देशभक्ति हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता का आधार हैं। उन्होंने बताया कि एक सैनिक का जीवन सिर्फ सीमा की रक्षा तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह समाज में अनुशासन, निष्ठा और राष्ट्रवाद की भावना को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कमांडेंट प्रफुल कुमार ने युवाओं को देश की सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, समर्पण और देशभक्ति के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। उनका मानना था कि देश की प्रगति और सुरक्षा में हर नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, और यह जिम्मेदारी केवल सैनिकों की ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की होती है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि वे जवानों के त्याग को समझें और उनके प्रति गहरा सम्मान रखें। महोत्सव के दूसरे दिन के समापन पर कमांडेंट ने चंपारण की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और नए प्रतिभा को उजागर करने और बढ़ावा देने के लिए आयोजकों और प्रतिभागियों को बधाई दी। प्रधान सचिव अमिता निधि कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित समारोह में बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने इस कार्यक्रम की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। प्रधान सचिव ने कहा कि हमारे समाज में बच्चों के लिए इस प्रकार के मंचों की कमी है, यहां बच्चे अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकें और आत्मविश्वास विकसित कर सकें। इस कार्यक्रम से बच्चों को उनके कौशल और रचनात्मकता को निखारने का अवसर मिलेगा। जिससे वे भविष्य में समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे। उन्होंने इस प्रकार के और भी कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया ताकि हर बच्चे को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सके। कार्यक्रम के अध्यक्ष आकर्ष कुमार ने अपने संबोधन में गर्व के साथ बताया कि इस आयोजन को लगातार तीसरी बार सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने इसे एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और कीर्तिमान बताया, जो युवाओं की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और युवाओं को एकजुट करना है। आकर्ष कुमार ने इस उपलब्धि के लिए सभी युवाओं को बधाई दी और इसे भविष्य के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उनका मानना है कि इस तरह के निरंतर प्रयास से समाज में नई ऊर्जा का संचार होगा और युवा अपने लक्ष्यों की ओर दृढ़ता से बढ़ सकें। हम ये भी बता दे की दूसरे दिन साइकलिंग रेसिंग नृत्य प्रतियोगिता एवं गान प्रतियोगिता संपन्न किया गया। इस महोत्सव में बच्चों को अपने टैलेंट का प्रदर्शन करने का मौका प्राप्त हो रहा है कार्यक्रम यानि 11 अगस्त को जीते हुए प्रतिभागी को सम्मानित भी किया जाएगा । यह कार्यक्रम गांधी मैदान से हॉस्पिटल रोड होते हुए गांधी चौक मीना बाजार से होते हुए बलुआ चॉक से रेलवे स्टेशन से होते हुए। गांधी संग्रहालय जाकर इसका अंत हुआ। अमिता निधि एवम आए हुए अतिथियों के द्वारा हरी झंडी दिखाकर मैराथन दौड़ का रवाना किया गया। नृत्य कंपटीशन एवम गान प्रतियोगिता टाउन हॉल मोतिहारी में हुआ । कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में काफी उत्साह देखा गया महोत्सव समिति के अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी ने युवाओं को हौसले को देखते हुए काफी सराहना भी की और चंपारण के युवाओं द्वारा आयोजित की जा रही है और इस कार्यक्रम को कराने का मकसद सिर्फ चंपारण के उभरते हुए बच्चे कलाकार को जनता के समक्ष प्रदर्शन कर और उनका मनोबल बढ़ाना है । मौके पर कार्यक्रम के कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक सिंह सूर्या उपाध्यक्ष अंकित कुमार सिंह महासचिव अमिता निधि सचिव प्रमोद पाठक सुरक्षा प्रमुख हिमांशु दुबे मीडिया प्रभारी विशाल कुमार , आदित्य श्रीवास्तव, अमन चौबे सहित जिले के कई बड़ी हस्ती उपस्थित रहे ।

एमजीसीयू का दीक्षारंभ समारोह 13 अगस्त को, राज्यपाल करेंगे उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 13 अगस्त, 2024 को आयोजित होने होने वाले दीक्षारम्भ समारोह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर करेंगे। इसकी जानकारी देते कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव ने शनिवार को पत्रकारों को बताया कि दीक्षारंभ समारोह 13 अगस्त को तीन सत्रों में मोतिहारी के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित होगा। इस समारोह के उद्घघाटन मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर करेंगे। वही विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्वी चंपारण लोकसभा क्षेत्र के सासंद राधामोहन सिंह उपस्थित रहेंगे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने से शुरू होगा।द्वितीय अकादमिक सत्र में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों से परिचित कराया जाएगा, जिसमें परीक्षा प्रणाली से लेकर नई शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान करने के साथ ही विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई आचार संहिता के विषय में भी जानकारी दी जाएगी। इसी सत्र में विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण समिति द्वारा छात्रों के हित के लिए किए जा रहे प्रयासों तथा अन्य संबंधित विषयों के

बारे में बताया जाएगा। इसी दौरान अकादमिक सत्र को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रो. आरती श्रीवास्तव और प्रसिद्ध शिक्षाविद, लेखक और प्रबंधन सलाहकार डॉ. विक्रांत सिंह तोमर संबोधित करेंगे। तृतीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य, गायन, नाटक आदि की प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही कार्यक्रम में संस्कार भारती के आमंत्रित कलाकारों द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की जाएगी।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

डीबीएः रोमांचक मुकाबले में पप्पू दुबे ने सभी दिग्गजों को पछाड़ा, शेष नारायण बने अध्यक्ष

महासचिव पद को लेकर सभी जातियों के समीकरण ध्वस्त, निवर्तमान अध्यक्ष पांचवें स्थान पर

बीएनएम। मोतिहारी। सागर सूरज

जिला विधिज्ञ संघ चुनाव के रोमांचक गिनती सम्पन्न होने के साथ ही निर्वाचन पदाधिकारियों ने वरीय अधिवक्ता शेष नारायण कुँवर को अध्यक्ष तो वही चर्चित अधिवक्ता राजीव द्विवेदी उर्फ पप्पू दुबे को महासचिव पद के लिए विजेता घोषित कर दिया। पप्पू दुबे भारी मतों के अंतर से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निवर्तमान महासचिव नरेंद्र देव को हरा दिया। वही शेष नारायण कुँवर अध्यक्ष पद पर अपने निकटतम प्रतिद्वंदी ओम प्रकाश को एक छोटे से अंतर से हराकर अध्यक्ष पद पर काबिज हो गए। अध्यक्ष पद के विजेता को कुल 420 मत मिले वही राजीव द्विवेदी को कुल 633 मत मिले।

महासचिव पद पर शुरू मे चतुष्कोणीय मुकाबले के आसार नजर आ रहे थे। वरीय अधिवक्ता कन्हैया सिंह, शंभू सिंह, नरेंद्र देव और पप्पू द्विवेदी के बीच कांटे के टक्कर की बात कही जा रही थी। ज्यों ज्यों मतदान के दिन नजदीक आते गए वोट नरेंद्र देव और पप्पू दुबे जिताओ की हवा के साथ मतदाता गोलबंद होने लगे। मतदान के दिन तो शुरू में कन्हैया, शंभू सिंह के वोट पड़े लेकिन दोनों के ही सभी वोटर्स अचानक से पप्पू दुबे और नरेंद्र देव के बीच गोलबंद होने लगे।

इस तरह देखते ही देखते पप्पू दुबे और नरेंद्र देव मैदान में आमने सामने आ गए। नतीजा ये हुआ पप्पू दुबे के पक्ष में खूब मतदान हुआ, लेकिन दूसरे नंबर पर नरेंद्र देव ही रहे। पप्पू दुबे को 633, नरेंद्र देव को 429, शंभू सिंह 176, कन्हैया सिंह को 143 और अखिलेश्वर शरण को 87 मत मिले। कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 1764 थी जहां 1592 मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान के लिए कुल 8 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहां पप्पू दुबे को प्रत्येक बूथ पर अच्छी बढ़त मिली।

अधिवक्ता अखिलेश्वर शरण अपनी जाति का वोट भी ठीक से नहीं मिल सका। पप्पू दुबे को सभी जातियों ने जात और धर्म से ऊपर उठकर अपना मत दिया ताकि डिस्ट्रिक्ट बार का विकास हो सके।

अध्यक्ष पद को लेकर मुख्य रूप से शेष नारायण कुँवर, ओम प्रकाश, अजय कुमार और कामेश्वर प्रसाद सिन्हा अंत तक लड़ाई में बने रहे लेकिन ओम प्रकाश को अंत में शेष नारायण कुँवर ने 32 वोटों से पराजित कर दिया | पूर्व अध्यक्ष कामाख्या नारायण सिंह की शुरू से ही हालत पस्त रही। वे पाँचवे नंबर पर चले गए। शेष नारायण को कुल 420 मत मिले।

सनद रहे कि अध्यक्ष पद के लिए सात उम्मीदवार थे। जिनमें शेषनारायण कुंवर को 420, ओमप्रकाश 388, अजय कुमार श्रीवस्तव 285, कामेश्वर प्रसाद सिन्हा 246, कामाख्या नारायण सिंह 157, राजकिशोर मिश्र 28, श्रीनारायण गिरि 57 व रद्द मत 11 पड़े। वहीं महासचिव के लिए दस उम्मीदवार मैदान में थे। जिनमें अखिलेश शरण को 87, डा. शंभू शरण सिंह 176, कन्हैया कुमार सिंह 143, नागेश्वर प्रसाद 61, नरेंद्र देव 429, पंकज कुमार वर्मा 13, राजीव कुमार द्विवेदी 633, शशि रंजन 14, वेद प्रकाश आर्य 14, योगेंद्र राय 8 तथा रद्द मत 14 पड़े। कोषाध्यक्ष के लिए चार उम्मीदवारों में अनिल कुमार को 282, राकेश कुमार को 462, सतेंद्र कुमार मिश्रा को 631 तथा शिवशंकर राय को 195 मत मिले। वहीं 32 मत रद्द कर दिए गए। जिला विधिज्ञ संघ कार्यकरिणी कमिटी के लिए उन्नीस सदस्यों का चुनाव होना है।

जिसके लिए 77 उम्मीदवार मैदान में थे। अन्य पदों के लिए मतगणना रविवार एवं सोमवार को होगी।

इधर अधिवक्ता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि मोतिहारी बार में कायस्थ मतदाताओं की संख्या निर्णायक रहा है ऐसे में महासचिव पद को लेकर सभी जातियों के समीकरण ध्वस्त हो गए। अखिलेश्वर शरण को अपनी जाति का वोट भी ठीक से नहीं मिल सका। पप्पू दुबे को सभी जातियों ने जात और धर्म से ऊपर उठकर अपना मत दिया ताकि डिस्ट्रिक्ट बार का विकास हो सके।

संक्षिप्त समाचार

13 अगस्त तक जमा करें इंटर का डमी एडमिट कार्ड

बीएनएम। मोतिहारी। नगर के एलएनडी कॉलेज के इंटर कला और विज्ञान सत्र 2023 - 25 के सभी छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि वे अपना डमी एडमिट कार्ड कॉलेज के साइट LND College.co.in से निकालकर देख लें कि कोई अशुद्धि नहीं हो। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि डमी एडमिट कार्ड पर छात्र अपना और अपने अभिभावक का हस्ताक्षर कराकर 13 अगस्त तक महाविद्यालय में अवश्य जमा करा दें। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि डमी एडमिट कार्ड समय से जमा नहीं करने की स्थिति में मुख्य परीक्षा से वंचित होना पड़ेगा और इसकी सारी जिम्मेवारी संबंधित विद्यार्थी की होगी।

सीमा मित्र समूह की बैठक में सुनी गई इंडो-नेपाल बार्डर पर होने वाली समस्या

बीएनएम। मोतिहारी। एसएसबी 20वी वाहिनी के गुआबारी कैंप में शनिवार को सीमा मित्र समूह की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता उप कमांडेट अनीस के० एम० ने की। बैठक में स्थानीय ग्रामीण एवं जन प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में उप कमांडेट ने कहा कि सीमा क्षेत्र में घुसपैठ, तस्करी, संदिग्ध लोगो की आवाजाही सहित राष्ट्र विरोधी तत्वों के बारे में हमे त्वतरित सूचना दें। ताकि ससमय कारवाई कर इस पर अंकुश लगाया जा सके। बैठक में शामिल स्थानीय सीमा मित्र समूह के लोगो ने भी एसएसबी को सहयोग करने की बात कही।इस दौरान लोगो ने भारत नेपाल बॉर्डर पर प्रतिदिन होने वाली परेशानी की चर्चा की,जिसके जल्द निदान करने पर सहमति बनायी गई। बैठक में फारूक आलम, शहाबुदीन अंसारी, मिठू कुमार, सुभाष कुमार व एसएसबी के अन्य अधिकारी व जवान मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया जिला निबंधन कार्यालय का निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा शनिवार की संध्या 4:00 बजे के बाद जिला निबंधन कार्यालय, मोतिहारी का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कार्यालय के साफ-सफाई पर ध्यान देने का निर्देश दिया गया साथ ही कर्मी के उपस्थिति पंजी का जांच की जांच की गई। कार्यालय कर्मियों की पहचान की गई और समय पर कार्यालय आने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने अभिलेखागार का निरीक्षण किया और अभिलेखागार में जील्द के फटे हुए पेजों को संबंधित जिल्द में लगाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान बचे हुए बेतिया निबंधन कार्यालय के अभिलेखों को बेतिया भेजने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर डीएसआर संजय कुमार सहित सभी कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

अलग अलग मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहो से स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार की रात्रि छापेमारी कर कांड के दो प्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त में पानापुर योगिया निवासी रंजीत सहनी को पॉक्सो एक्ट कांड संख्या 419/ 21 को शुक्रवार की रात्रि गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरा मद्य निषेध कांड संख्या 292/23 का नामजद अभियुक्त दामोवृति निवासी चुमन सहनी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। दोनों अभियुक्त को पूछताछ के बाद शनिवार को जेल भेज दिया गया। पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष निर्भय कुमार राय ने बताया कि दोनों प्राथमिक अभियुक्त को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं छापेमारी में दरोगा अनमोल कुमार यादव पिंकी कुमारी, मनीष राज व सशस्त्र बल उपस्थित थे।

वाल्मीकिनगर सांसद जदयू प्रखंड अध्यक्ष विभव राय की हत्या के बाद परिजनों से मिले

बीएनएम। बगहा

वाल्मीकिनगर सांसद सुनील कुमार ने दिल्ली से लौटते ही शनिवार को भितहा जदयू प्रखंड अध्यक्ष दिवंगत विभव राय के परिजनों से मुलाकात की और अपनी शोक संवेदना प्रकट की। जानकारी हो कि पिछले दिनों तमकुहवा बाजार में शाम के समय में दाढी बनवाते समय अपराधियों ने गोली मारकर विभव राय की हत्या कर दी थी। सांसद ने पीड़ित परिवार से कहा कि जिला पदाधिकारी और बगहा पुलिस अधीक्षक भी परिजनों से मिलकर पूछताछ के आधार पर अनुसंधान की गति को और तेज करने वाले हैं। 12 अगस्त को प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा के आने का भी कार्यक्रम है। पुलिस अधीक्षक बगहा से मिलकर सांसद अब तक की कार्रवाई से अवगत होते हुए अविलम्ब अपराधियों को खोजकर उन्हें गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सांसद ने तुनियहवा में दो परिवार के एक-एक व्यक्ति की मौत के बाद पीड़ित परिवार का कुशलक्षेम जाना, इसमें एक कुशवाहा परिवार की पिछले महीने हत्या हुई थी, जबकि एक ब्राह्मण परिवार के 40 वर्षीय युवा की किसी अन्य राज्य में ब्रेन हेमरेज से मृत्यु हो गयी थी। बगहा वापसी के दौरान विकास मित्र छठ्ठु राम के परिजनों से भी सांसद मिले जिनकी पिछले दिनों एक मारपीट के दौरान हत्या हो गयी थी। बाद में फिर बगहा 2 में अस्वस्थ चल रहे जदयू नेता विद्या सिंह और पूर्व मुखिया रामबिलास सिंह से मिलकर उनके स्वास्थ्य की भी जानकारी ली। सांसद के साथ पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह, जदयू नेता जयेंद्र सिंह, पशुपतिनाथ गुप्ता, राकेश सिंह, दयाशंकर सिंह, उमाशंकर पटेल, जितेंद्र कुशवाहा, अखिलेश साह, दूधनाथ कुशवाहा, रविंद्र पटेल, मुरारी चौधरी,जुगनू आलम, अशोक पटेल, राजू कुमार, कुंदन सिंह सहित तमाम कार्यकर्ता गण दौरे में शामिल रहें।

गांजा तस्करी में एक को दस साल की सजा एवं अर्थ दंड

बीएनएम। मोतिहारी

एनडीपीएस कोर्ट -2 के अनन्य विशेष न्यायाधीश सूर्यकांत तिवारी ने शनिवार को गांजा तस्करी मामले में दोषी पाते हुए नामजद एक अभियुक्त को दस वर्षों का सश्रम कारावास एवं दो लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाए है। अर्थ दंड नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा सुगौली थाना के श्रीपुर भटवलिया निवासी रोज महम्मद मियां को हुई। मामले में तात्कालीन सुगौली थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा ने सुगौली थाना में मामला दर्ज कराते हुए रोज मोहम्मद मियां को नामजद किया था, जिसमें कहा था कि 18 मार्च 2022 के पूर्वाहन 11.30बजे गुप्त सूचना पर नामजद अभियुक्त के घर छापेमारी की गई। जांच के दौरान उसके घर में रखें एक प्लास्टिक के बोरा में रखे 31 किलो प्रतिबंधित गांजा बरामद किया गया एनडीपीएस वाद संख्या 22/2022 विचारण के दौरान विशेष लोक अभियोजक प्रभाष त्रिपाठी ने आठ गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने नामजद अभियुक्त को दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाए।

कार्यपालक सहायकों ने किया ग्रेड पे की मांग

बीएनएमः अरेराज

बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसायटी के द्वारा संविदा के आधार पर बाहर कार्यपालक सहायकों ने सामूहिक पत्र लिखकर सरकार से नियोजित शिक्षकों की तरह सभी प्रकार के लाभ देने की मांग की है। कार्यपालक सहायकों ने कहा है कि उनकी सेवा अवधि का विस्तार करते हुए ग्रेड पे का लाभ दिया जाए। स्थाई कर्मियों की तरह सेवा अवधि 60 वर्ष की होनी चाहिए। कार्यपालक सहायकों ने बताया कि विगत कई वर्षों से सरकार के सभी कार्यों को संग्रहित कर निष्पादन कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। उनका कहना है कि संविदा के आधार पर डीएम की अध्यक्षता में लिखित एवं टंकण परीक्षा के द्वारा चयन समिति के माध्यम से आरक्षण रोस्टर के अनुसार विभिन्न विभागों में उनकी बहाली हुई थी। सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का निष्पादन कार्यपालक सहायक के द्वारा ही किया जा रहा है। सभी ने सरकार से स्थाईकरण करते हुए ग्रेड पे का लाभ लेने की मांग की है। उन्होंने बताया कि सरकार अभिलंब हमारी मांग को पूरा करें, अन्यथा आगे रणनीति बनाकर शांतिपूर्वक विरोध करते हुए प्रदर्शन किया जाएगा। मांग करने वालों में कार्यपालक सहायक प्रभात कुमार, दिलिप कुमार, विपिन कुमार, अंशु कुमार, शुभम कुमार, नफीस अहमद, दीपक कुमार, मनीष मिश्रा, निरमा कुमारी, प्रियंका कुमारी, नितेश कुमार, शाबीर हुसैन, रीना कुमारी, रूबी कुमारी, खुशबु खातून, पुतुल कुमारी आदि शामिल हैं।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
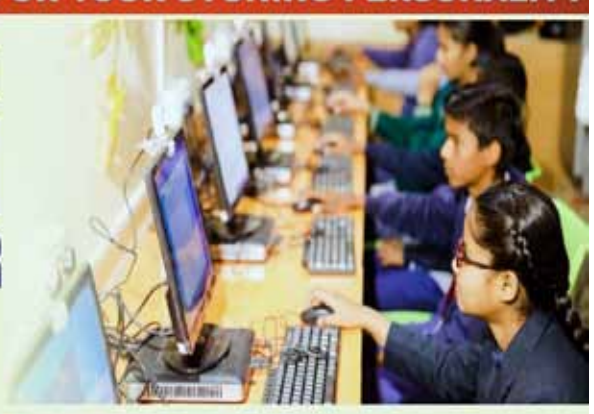
Tally Prime
ADCA
DCA
CCC
ADVANCE EXCEL
COMPUTER BASIC
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली। उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बर्बादी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

बुद्धदेब भट्टाचार्यःमार्क्सवादी कम, बंगाली भद्र मानुष ज्यादा थे

ललित गर्ग

आर्थिक उदारवाद लागू करने और पूंजीवाद के साथ तालमेल बिठाने वाले बंगाली गोर्बाचोव, पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर मार्क्सवादी नेता बुद्धदेब भट्टाचार्य का 80 साल की उम्र में आठ अगस्त को बालीगंज स्थित उनके पाम एवेन्यू आवास पर निधन हो गया। उनका निधन राजनीति के साथ साहित्य एवं संस्कृति की अपूरणीय क्षति है। बंगाल के बौद्धिक चिंतकों, लेखकों, कवियों, नाट्यकर्मियों और सिने जगत के लोगों के बीच बुद्धदेब बेहद लोकप्रिय थे। उनकी पार्टी के कुछ कॉमरेड उन्हें मार्क्सवादी कम, बंगाली भद्र मानुष ज्यादा मानते थे। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे एवं सतरंगी रेखाओं की सादी तस्वीर थे। एक व्यावहारिक कम्युनिस्ट के रूप में उन्होंने उदारवाद और पूंजीवाद के बीच संतुलन बनाने का साहसिक कार्य करते हुए लोक-कल्याण की भावना को आकार दिया, जो उनके बड़े मानुष का बड़प्पन ही था। पश्चिम बंगाल में वंचित वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन को दूर करने के उल्लेखनीय प्रयास उनके द्वारा किये गये। उनकी लोकप्रियता उनके दल से परे भी पसरी हुई थी, इसीलिए उनके निधन की सूचना से समूचे देश के राजनीतिक माहौल में शोक व्याप्त हो गया, जबकि वे पिछले 13 वर्ष से सक्रिय राजनीति से दूर थे। पर लोग इस आधुनिक कॉमरेड को भूले नहीं थे और न भूल पाएंगे। वे भारत के धर्मनिरपेक्ष और गणतांत्रिक संवैधानिक व्यवस्था की सुरक्षा के प्रति गहरे रूप से प्रतिबद्ध थे। एक कम्युनिस्ट मुख्यमंत्री के औद्योगिकीकरण और पूंजी को न्योतने के प्रयास आश्चर्यचकित कर देते थे। बुद्धदेब भट्टाचार्य की विरल विशेषता थी कि वे प्रारंभ में पूंजीपतियों के विरोधी थे, तो 1991 के बाद हुए सोवियत संघ के विघटन के बाद बाजारवाद एवं पूंजीवाद के समर्थक हो गये। पश्चिम बंगाल में ज्योति बसु लगातार 24 वर्ष मुख्यमंत्री रहे थे। तभी बुद्धदेब भट्टाचार्य को उप-मुख्यमंत्री बनाकर सीपीएम उनकी ताजपोशी की तैयारी पहले से कर रही थी। तब स्वयं बुद्धदेब भी असमंजस में थे कि ज्योति बसु जैसे वटवृक्ष का उत्तराधिकार वह संभाल पाएंगे या नहीं? लेकिन जब मौका आया तो उन्होंने इस बड़ी जिम्मेदारी को बेखूबी निभाया। प्रदेश से बेरोजगारी खत्म करने के लिए पश्चिम बंगाल में उद्योगों को बढ़ावा देने की ठानी। उन्होंने गरीबों के कल्याण के लिये, रोजगार वृद्धि एवं बंगाल के आर्थिक विकास के लिये औद्योगिक-क्रांति को बल दिया। बतौर मुख्यमंत्री, उन्होंने अपना पूरा ध्यान बेरोजगारी की समस्या दूर करने पर लगाया, जिसकी वजह से बड़ी तादाद में युवा पलायन के लिए मजबूर हो रहे थे। उन्होंने बंगाल में उद्योग और निवेश को लाने के लिए नारा दिया था, 'डू इट नाउ, इसे अभी करो।' बुद्धदेब भट्टाचार्य ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को बढ़ाया तथा सच्चर कमिटी और रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्टों के आने के बाद इसमें अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के एक अहम हिस्से को शामिल करने के प्रावधान किये। उन्होंने राज्य की सुस्त नौकरशाही को दुरुस्त करने की कोशिश की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा कि वह एक राजनीतिक दिग्गज थे, जिन्होंने प्रतिबद्धता के साथ राज्य की सेवा की।' बुद्धदेव ने मुख्यमंत्री बनने के बाद बंगाल के माहौल को बदलना शुरू किया। उनकी अपनी लोकप्रियता भी बढ़ी, उनके नेतृत्व में वामपंथियों ने साल 2001 और 2006 में विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। हर नेता का एक समय आता है, जब चीजें हाथ से निकलने लगती हैं। सिंगुर व नंदीग्राम आंदोलन के समय बुद्धदेब के साथ ही वामपंथी शासन की भी उल्टी गिनती तेज हो गई थी। उनके नेतृत्व की वाम मोर्चे की आखिरी सरकार द्वारा किये गये सही और गलत कामों को लेकर अलग-अलग मत आज तक बरकरार हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था के आधुनिकीकरण तथा युवाओं के लिए राज्य के भीतर रोजगार के अच्छे अवसर उपलब्ध कराने का उनका अधूरा सपना अभी भी बेहद प्रासंगिक बना हुआ है। लम्बी राजनीतिक पारी खेलते हुए बुद्धदेब भट्टाचार्य ने राजनीति जीवन में जिन गुणों का प्रदर्शन किया, वैसे गुण अब सत्ताधारियों में मुश्किल से मिलते हैं। सार्वजनिक जीवन में वे शुचिता एवं सादगी का पर्याय बनकर स्थापित हुए। सत्ता में रहते हुए और जीवन के अंतिम पलों तक एक सामान्य दो कमरे के अपार्टमेंट में उनका निवास रहा। बुद्धदेब सरकारी खर्चे के तामझाम से कोसों दूर रहे। अधिकांश मौकों पर वे धोती कुर्ता में ही नजर आते थे। वेतन का अधिकांश हिस्सा वे पार्टी कोष में जमा करा देते थे और पत्नी के वेतन से परिवार का खर्च चलाया करते थे। उनके जीवन की दास्तान को पढ़ते हुए जीवन के बारे में एक नई सोच पैदा होती है। जीवन सभी जीते हैं पर सार्थक जीवन जीने की कला बहुत कम व्यक्ति जान पाते हैं। बुद्धदेबजी के जीवन कथानक की प्रस्तुति को देखते हुए सुखद आश्चर्य होता है एवं प्रेरणा मिलती है कि किस तरह से दूषित राजनीतिक परिवेश एवं आधुनिक युग के संकुचित दृष्टिकोण वाले समाज में जमीन से जुड़कर आदर्श जीवन जिया जा सकता है, आदर्श स्थापित किया जा सकता है। और उन आदर्शों के माध्यम से देश की राजनीति, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैयक्तिक जीवन की अनेक सार्थक दिशाएँ उद्घाटित की जा सकती हैं। अपने लंबे सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में वे हमेशा ईमानदारी और विनम्रता की प्रतिमूर्ति बने रहे। साल 1993 में उन्होंने कुछ गलतियों के विरोध में वाम मोर्चा सरकार से इस्तीफा दे दिया था। ज्योति बसु के मनाने पर कुछ महीने बाद वे फिर से मंत्री बने। उस दौरान उन्होंने एक बंगाली नाटक लिखा, जिसमें उन मूल्यों के पतन पर विचार किया गया है, जो वाम आंदोलन ने कभी अपनाया था। अपनी पीढ़ी के नेताओं में वे सबसे अधिक साहित्य, कला एवं संस्कृति के परिवेश से जुड़े हुए थे। सोवियत संघ के पतन के अनुभवों कारण ही वे अनेक मार्क्सवादी-लेनिनवादी धारणाओं पर सवाल उठाते थे। जितने सफल जननायक थे उतने ही प्रखर लेखक थे। उन्हें निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। वे गरीबों, अभावग्रस्तों, पीड़ितों और मजलूमों की आवाज बनते रहे। भट्टाचार्य का जन्म 1 मार्च 1944 को उत्तरी कोलकाता में एक विद्वान पृष्ठभूमि वाले परिवार में हुआ था। वह प्रसिद्ध बंगाली कवि सुकांत भट्टाचार्य के दूर के रिश्तेदार थे, जिन्होंने आधुनिक बंगाली कविता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्हें खुद एक सफल लेखक के रूप में जाना जाता है और वह विभिन्न परिस्थितियों में रवींद्रनाथ टैगोर को उद्धृत करने में माहिर थे। उन्होंने 1992 में बाबरी ध्वंस के समय 'दुष्शामाई' (बैड टाइम्स) नामक नाटक लिखा। बुद्धदेव साहसी नेता थे। वे पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक तरह से देंग और गोर्बाचोव की तरह ही थे लेकिन उन्हें इन दोनों से अपनी तुलनाएं पसंद नहीं थीं। उन्होंने कृषि आय पर आश्रित पश्चिम बंगाल को अद्यौगिकीकरण की राह पर लाकर अपने राजनीतिक कैरियर का सबसे बड़ा जोखिम लिया था। उद्योग धंधों की स्थापना के लिए उन्होंने विदेशों से और देश के ही दूसरे राज्यों से पूंजी लाने के लिए मार्क्सवादी सिद्धांतों से समझौता भी किया। भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में बुद्धदेबजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया। वे व्यक्ति नहीं, नेता नहीं, बल्कि विचार एवं मिशन थे। उनको एक सुलझा हुआ और कद्दावर नेता, जनसेवक एवं सृजनकर्मी माना जाता रहा है। उनका निधन एक आदर्श एवं बेबाक सोच की राजनीति का अंत है। वे सिद्धांतों एवं आदर्शों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के प्रतीक थे। बुद्धदेव भट्टाचार्य की दिलचस्पी का दायरा राजनीति से इतर साहित्य, थिएटर, सिनेमा और संगीत तक फैला हुआ था। वे घंटों टैगोर की कविताओं को सुना सकते थे और पाब्लो नेरूदा की कविताओं का जिक्र कर सकते थे। बुद्धदेव भट्टाचार्य नामचीन बंगाली वामपंथी कवि सुकांतो भट्टाचार्य के भतीजे थे और मंत्री रहते हुए उन्होंने कुछ नाटक लिखे जिनका मंचन भी हुआ। बुद्धदेव का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, प्रखर लेखक, सृजनकर्मी, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का स्पर्श किया। वे बंगाल की राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे।

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है।

विलियम शेक्सपियर

आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है।

जॉर्ज वीनकर्ग

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि सप्तमी, रविवासरे, स्वाति नक्षत्रे, शुभ योगे, ववकरणे, तुला की चंद्रमा, भद्रा रा.3/34 तक श्री गोस्वामी तुलसी दास जयंती भानु सप्तमी यायीजय योग तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चचंल, दार्शनिक, सुंदर, सुशील, कोमल ह्रदय वाला, दयालु हेगा तथा शिक्षाविद, शिक्षा शास्त्री, बैंक कर्मचार, अकाउटेंट, ऑफीसर, लेखा पाल, लिपिक तथा प्रबंधक मैनेजर होगा।

मेष :- प्रत्येक कार्य में विलंब, विरोधी तत्व परेशान करेंगे, सर्तकता से रहकर कार्य करें।

वृष :- समय विशेष अनुकूल है, स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास, दैनिक कार्य गति उत्तम बनेगा।

मिथुन :- मान प्रतिष्ठा, इष्ट मित्रों से सुख, कार्य गति में अनुकूलता आएगी, ध्यान दें।

कर्क :- दैनिक व्यवसाय गति अनुकूल भाग्य का सितारा साथ देगा रुके कार्य अवश्य ही बने।

सिंह :- परिश्रम से किए गए कार्य पूर्ण सफल होंगे, चिंता कम हो, योजना अवश्य ही बने।

कन्या :- कार्य व्यवसाय गति अनुकूल, चिन्ता कम हो उत्तम कार्य बनेंगे तथा अवरोध बने।

तुला :- मानसिक व्यग्रता आवश्यक, विभ्रम की स्थिति असमंजस मं रखे, कार्य अवरोध।

वृश्चिक :- कही तनाव व क्लेश से मानसिक अशांति के योग बनें।

धनु :- अधिकारियों से तनाव, वाद विवाद अशांति के योग अवयश्य ही बनेंगे।

मकर :- मनोबल उत्साह वर्धक हो, कार्य कुशलता से संतोष होगा।

कुम्भ :- कार्य व्यवसाय में वृद्धि, आर्थिक योजना भली भांति पूर्ण होगी।

मीन :- मानसिक क्लेश अशांति, शरीर कष्ट तथा शुभ कार्य अवश्य होगा, ध्यान रखें।

चारधाम बरसात में सुरक्षित नहीं

सुरेश भाई

इस बार जितनी देर से बारिश शुरू हुई है। उतनी ही जल्दी आपदा आ गई है। जुलाई के अंतिम सप्ताह से चारधाम की सड़कें ध्वस्त होने लगी है। आवागमन के पैदल रास्ते भी नदी में समा रहे हैं। जहां-जहां मनुष्य के कदम पड़ रहे हैं वहां धरती इतनी संवेदनशील बन गई कि अब उसे कोई नहीं बचा सकता है। ध्यान रहे कि चारधाम बरसात में सुरक्षित नहीं है। सुरक्षा के नाम पर जितनी भी घोषणाएं करें वह मौसम के सामने बौनी पड़ रही है। यहां हर साल आपदा की भवावहता बढ़ती ही जा रही है। केदारनाथ आपदा की तरह ही मंदाकिनी नदी में इस बार फिर से जल पर्‍य जैसा रूप लोगों ने देखा है। स्थिति इतनी विकराल बन गई कि 2 अगस्त तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर फंसे लगभग 4000 यात्रियों को रेस्क्यू किया गया, जिसमें से लगभग 700 यात्रियों को हेली सेवा से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। मंदाकिनी नदी में जल स्तर बढ़ने से पैदल मार्ग पर रामवाड़ा में दो पुल और भीम बली में 25 मीटर रास्ता क्षतिग्रस्त होकर बह गया था, जहां से केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को मुश्किल से बचाया जा सका है। पैदल मार्ग पर फंसे यात्रियों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। यदि पहले मौसम के अलर्ट की सूचना पर ऋषिकेश में ही यात्रियों को जाने से रोक देते तो समय और खर्च दोनों भी रोका जा सकता था। उत्तराखंड और हिमाचल में अब तक 22 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें से 16 लोग उत्तराखंड में मलबे में दबकर मरे हैं। हिमाचल में 6 लोगों की मौत हो गई है और लगभग 53 लोग लापता बताए जा रहे हैं।अब तक वहां पर 300 करोड़ से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। 2023 की आपदा में भी हिमाचल में 10,000 करोड़ का नुकसान हुआ था और लगभग 500 लोग मारे गए थे। इस बार अभी तक यहां दो पावर प्रोजेक्ट ध्वस्त हो गए हैं, जिसके कारण दर्जनों लोग लापता है। आपदा की यह जानलेवा घटना कुल्लू, मंडी और रामपुर में अधिक हुई है। हिमाचल की 445 सड़कें यातायात के लिए ठप पड़ी है। जिसको खोलने के लिए राज्य सरकार युद्ध स्तर पर काम कर रही है। सूत्रों का कहना है कि हिमाचल प्रदेश में बाहर से आने वाले पर्यटकों ने आपदा की स्थिति को देखकर अपनी बुकिंग कैंसिल की है, जिसके कारण पर्यटन कारोबार पिछले वर्ष की तरह प्रभावित हो गया है। कुल्लू-शिमला की सीमा पर समेज खड में आई बाढ़ में लगभग 36 से ज्यादा मकान बह गए हैं। यहां 6 बच्चों समेत 36 लोग भी लापता हैं। 7 घंटे में सामान्य से 305 मिलीमीटर ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। लगभग 7 पुल बह गए हैं। सतलुज और ब्यास नदियों का जलस्तर खतरे के करीब पहुंचने लगा है। यहां पर श्रीखंड महादेव मार्ग पर करीब 250 लोग फंसे रहे। चिंता की बात यह है कि हिमाचल प्रदेश में जल विद्युत परियोजनाएं सबसे अधिक विनाश का कारण बन रही हैं। 2013 की केदारनाथ आपदा के समय भी 24 जल विद्युत परियोजनाओं ने मंदाकिनी और अलकनंदा घाटी का जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित किया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। इसकी पुनरावृत्ति फिर से देखी जा रही है। जिला टिहरी गढ़वाल में बालगंगा और धर्मगंगा पर 26-27 जुलाई की भीषण बाढ़ ने जो विनाश लीला सामने लाई है; उसने केदारनाथ आपदा की याद ताजा की है। यहां पर तीर्थ यात्रियों के लिए प्रसिद्ध बूढ़ा केदारनाथ का मंदिर भी है, जिसके दोनों तरफ ये नदी बहती है। यहां 20 किमी के क्षेत्र में नदी तटों पर निर्माण कायरे से एकत्रित मलवे के बहने से पैदा हुए भीषण जल पर्‍य से हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि नष्ट हुई है। लोगों के होटल, मकान, गौशालाएं नदी में समा गए। यहां पर बड़े बांध के विकल्प के रूप में 50 किलोवाट की एक छोटी पण बिजली बनाई गई थी, जो पूरी तरह मलबे में दब गई है। इससे आगे भी तीन मेगावाट की एक लघु जल विद्युत भी ध्वस्त हो गई हैं। क्षेत्र के एक दर्जन पुल जर्जर हो चुके हैं। तिनगढ़ गांव के परिवारों के घरों में मलवा जमा हुआ है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बाढ़ पीड़ितों से मिल रहे हैं और राहत और पुनर्वास का आसन दे रहे हैं, लेकिन इन नदियों के दोनों तरफ लोग पूर्व में आपदा से प्रभावित हुए श्रीनगर, उत्तरकाशी और केदारनाथ की तर्ज पर पुनर्निर्माण की मांग कर रहे हैं क्योंकि यहां हालात बहुत चिंताजनक हैं।

बांग्लादेश में हिन्दू मारे जा रहे, यूएन को सिर्फ गाजा और सूडान की चिंता

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इस्लामिक अतिवादियों, उपद्रवियों और आतंकवादियों ने छात्र आन्दोलन के नाम पर बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के इस्तीफे के बाद कई जगहों पर हिंदुओं पर हमले करना जारी रखा है। आधिकारिक तौर पर 500 से अधिक हिन्दू मंदिरों, सैकड़ों घरों और हजारों व्यापारिक प्रतिष्ठानों को शरिया की चाह रखनेवाले और गैर मुस्लिम को अपना शत्रु समझनेवाले मुसलमानों ने निशाना बनाया है। हिन्दुओं की संपत्ति लगातार लूटी जा रही है। उनकी हत्या की जा रही है और उनके शवों को लटकाया जा रहा है। दूसरी ओर हिन्दू महिलाओं के साथ सामूहिक रेप हो रहे हैं। ये जिहादी इस्लामवादी बच्चियों को भी नहीं छोड़ रहे और इस प्रकार की घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही हैं । कई कट्टरपंथी तो साफ तौर पर हिन्दुओं को निशाना बनाने की बात कहकर सोशल मीडिया में वीडियो वायरल कर रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा हिन्दुओं को निशाना बनाया जा सके। ये इस्लामवादी यहां तक नीचता पर उतर आए हैं कि मारते वक्त पैंट नीचे उतारकर देखते हैं कि हिन्दू ही है या नहीं। जैसे ही पिटनेवाले का हिन्दू होना कन्फर्म हो जा रहा है कि इसका खतना नहीं हुआ, सभी ओर से उसे जान से मार देने के लिए टूट पड़ रहे हैं । पिछले तीन दिन में इस प्रकार के अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं और अत्याचार के ये वीडियो लगातार सामने आते ही जा रहे हैं । ऐसे में गाजा पर, हमास और फिलिस्तीनियों के नाम पर इजराइल की सैन्य कार्यवाई को लेकर आंसू बहानेवाले मानवाधिकार संगठनों, यूनिसेफ समेत अन्य वैश्विक संस्थाओं की हिन्दू अत्याचार पर चुप्पी बहुत चुभ रही है। जबकि कहने को ये अपने आप को मानवाधिकार का सबसे बड़ा झण्डाबरदार मानते हैं । यूएन का बयान आया भी तो वह हिन्दुओं के ऊपर हो रहे कई दिन के अत्याचार के बाद । बांग्लादेश के कुल 64 जिलों में 50 से अधिक में हन्दिू विरोधी हिंसा जारी है। दरअसल, अभी यूनाइटेड नेशन (यूएन) जिसकी अधिकारिक वेबसाइट पर तमाम मानवीयता का दावा करनेवाली स्टोरी तैरती नजर आ रही हैं, लेकिन यदि कुछ उसमें गायब है तो वह है हिन्दू अत्याचार से जुड़ी बांग्लादेश की एक भी स्टोरी का वहां नहीं पाया जाना । सबसे ज्यादा यूएन यदि मानवीयता के नाम पर कवरेज किसी को देता दिख रहा है तो वह गाजा है। उसके बाद दूसरे नंबर पर सूडान की समस्याओं का निदान है, उसके लिए किए जा रहे कार्य हैं । वहीं दिनांक 07 अगस्त के ताजा अपडेट में संयुक्त राष्ट्र को चिंता अफगान महिलाओं की सबसे ज्यादा दिखाई दे रही है और इसलिए वह 'ऑस्ट्रेलिया सरकार, अफगान हत्याओं के लिए मुआवजा दे', मानवाधिकार विशेषज्ञ' शीर्षक से स्टोरी कर रहा है । वह कवरेज दे रहा है 'गाजा में स्कूलों पर इजराइली हमलों में तेजी पर गम्भीर चिन्ता' शीर्षक के माध्यम से वहां की इस्लामिक जनता की चिंता उसे है, यह बताने की । यूनाइटेड नेशन (यूएन) को इस वक्त सबसे ज्यादा लेबनान, सीरिया गोलान पहाड़ियां और ईरान की राजधानी तेहरान में हुए हमलों से पूरे क्षेत्र में टकराव भड़कने की आशंका सता रही है। इसे मुस्लिम बच्चों और महिलाओं की चिंता है। इससे जुड़े सभी मानवाधिकार कार्यकर्ता और संगठन इन्हीं पर फोकस कर कार्य करते नजर आ रहे हैं, जैसा कि इसने अपनी रिपोर्ट्स में अधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से बताया है, लेकिन उसे बांग्लादेश में जो अमानवीयता-अत्याचार हो रहा है, वह दिखाई नहीं दे रहा । हालांकि कुल तीन स्टोरी बांग्लादेश पर यूएन ने करवाई हैं, किंतु ये सभी सतही हैं। सामान्य डेटा है इसमें । यहां हिन्दुओं पर जो भयंकर अत्याचार हो रहे हैं, उस पर एक शब्द भी यूएन के माध्यम से अब तक नहीं बोला गया और न ही कोई स्टोरी फ्लेश की गई है । जबकि यूएन अपनी अधिकारिक वेबसाइट पर यह दावा जरूर करता दिखा है कि ''यूएन न्यूज यानी कि वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मानवीय कहानियां'' (Global perspective Human stories) यही साझा करना उसका अहम कार्य है। दूसरी ओर वास्तविकता में यहां यही दिखाई दे रहा है कि उसे ईसाईयत और इस्लाम से जुड़े लोगों की चिंता सबसे अधिक है, उनके मानवाधिकार उसे याद हैं, जैसा कि उसकी वेबसाइट https://news.un.org में देखा जा सकता है लेकिन वैश्विक मानवाधिकार की पैरोकार बननेवाले इस संगठन को हिन्दुओं के अत्याचारों से कोई भी लेना-देना नहीं है। यही हाल यहां दूसरे सबसे बड़े बच्चों और महिलाओं के वैश्विक मंच होने का दावा करने वाले उनकी सर्वाधिक चिंता जतानेवाले संगठन 'यूनिसेफ' का नजर आ रहा है । कहने को इस संगठन का दावा है कि दुनिया के हर देश में उनके वॉलंटियर एवं पेड वर्कर्स हैं, जिनके माध्यम से यह बच्चों एवं महिलाओं के हित में चहुंमुखी और सर्वाधिक कार्य करता है, लेकिन बांग्लादेश हिन्दू हिंसा पर ये संगठन भी पूरी तरह से गायब है, कहीं कोई आवाज इसकी सुनाई नहीं दे रही। ये पूरी तरह से चुप नजर आ रहा है । इसे भी आज यदि किसी की सबसे ज्यादा चिंता हो रही है जैसा कि दिखाई भी दे रहा है तो वह गाजा में रह रहे मुसलमान हैं। वे ही इस यूनिसेफ संगठन की नजरों में सबसे बड़े पीड़ति हैं, इसलिए ही यह अधिकारिक तौर पर Children in Gaza need life-saving support, UNICEF and partners are on the ground स्टोरी को पहले स्थान पर रखकर चल रहा है। इसके बाद https://www.unicef.org/ जो विशेष स्टोरी महिलाओं एवं बच्चों के हित में यहां देता दिख रहा है, उसमें भी अफ्रिका के सूडान, हेती एवं अन्य देश शामिल हैं लेकिन बांग्लादेश के इस्लामिक जिहादियों से प्रताड़ति होते बच्चे और महिलाएं कहीं भी अपनी स्टोरी या दर्द भरी दांसता में (यूनिसेफ़) इसके यहां अपनी जगह नहीं बना सके हैं। इसी तरह से कई वैश्विक एवं स्थानीय मानवाधिकार संगठनों, मानवाधिकार समूह एमनेस्टी इंटरनेशनल एवं अन्य की पहली प्राथमिकता में गाजा, फिलीस्तीन अफ्रीका, अफगानिस्तान एवं अन्य इस्लामिक देश एवं युरोपियन देश तो हैं, लेकिन बांग्लादेश में हिन्दू प्रताड़ति और अत्याचार से अपनी जान गंवा रहे हैं, यह उनके लिए भी कोई महत्व नहीं रखता है। जबकि वास्तविकता बांग्लादेश में सर्वत्र भयावह है। ढाका के धामराई में एक हिंदू परिवार के घर पर 100-150 इस्लामिक चरमपंथियों की एक भीड़ आती है, घर को तोड़ देती, सारी संपत्ति लूट लेती है और घर में बने मंदिर को क्षत-विक्षत कर दिया जाता है। हिंदू परिवार पर हुए हमले की इस घटना को बांग्लादेशी अखबार ढाका ट्रिब्यून ने प्रकाशित किया है। यहां ऐसे अनेक परिवारों पर लगातार हमले हो रहे हैं। प्रश्न यह है कि ये सब कुछ बांग्लादेश में आरक्षण समाप्त करने के लिए छात्र आंदोलन के नाम पर हो रहा है ! एक सवाल लगातार उठ रहे हैं, कि आखिर छात्र आंदोलन इतना हिंसक क्यों हो गया? आज यह सवाल उठना बहुत लाजमी भी है क्योंकि छात्रों के प्रदर्शन का मकसद सिर्फ आरक्षण को खत्म करना नहीं दिखा है, इससे इतर इसकी आड़ में इस्लाम का अतिवादी चेहरा दुनिया को दिखाना और यहां के अल्पसंख्यकों को समाप्त करके शरिया राज की स्थापना करना दिखाई दे रहा है ! जिस सरजिस आलम, छात्र नेता की बात जोरशोर के साथ शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए आंदोलन में केन्द्रीय भूमिका निभाने को लेकर हो रही है, उसके बारे में भी यह सामने आ चुका है कि उसका मूल मकसद छात्र आन्दोलन एवं अवाम को भड़काकर बांग्लादेश में शरिया आधारित इस्लाम की स्थापना करना है। सरजिस आलम ने फेसबुक पोस्ट में लिखा था, "कल का राष्ट्र इस्लाम होगा, संविधान अल कुरान होगा - इंशा अल्लाह"। जब उसकी इस पोस्ट से इस पूरे आन्दोलन का पर्दाफाश हुआ तो उसने फिर दूसरा चेहरा दिखाना शुरू कर दिया और इसलिए इस सरजिस आलम ने अपना फेसबुक पोस्ट डिलीट कर दिया। लेकिन बांग्लादेश को शरिया राष्ट्र में बदलने की उसकी मंशा अब दुनिया के सामने उजागर हो चुकी है।

शरिया देश में गैर मुसलमानों को देना होगा जजिया, गैर मुस्लिम लड़कियां और महिलाएं होंगी गनीमत की संपत्ति, यौन दास- बांग्लादेशी पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी इस बारे में जानकारी देते हुए लिख रहे हैं, कि "सरजिस आलम बांग्लादेश में जिस इस्लाम की स्थापना करना चाहता है, उस शरिया देश में हिंदुओं और गैर-मुस्लिमों को जजिया देना होगा, जबकि गैर-मुस्लिम लड़कियों और महिलाओं को "गनीमत की संपत्ति" माना जाएगा, जिसका अर्थ है कि इस्लामवादी उन्हें यौन दास के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।" उन्होंने आगे लिखा है, कि "विवेक रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति नैतिक रूप से इसका सामना करने के लिए बाध्य है। कृपया इस जानकारी को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। आइए, हम इस्लामवादियों को बांग्लादेश को नव-तालिबान राज्य में बदलने से रोकें।"

पिछले 10 साल में पांच हजार से अधिक भयावह हिन्दू विरोधी घटनाएं घटीं- इस सब के बीच बड़ी और दुखभरी बात यह है कि दुनिया में एक देश जिसमें कि एक करोड़ से अधिक हिन्दू आबादी है, आज उनके घर लूटे जा रहे हैं, उनसे जीवन जीने का हक छीना जा रहा है, उन्हें अपना गुलाम बनाने पर ये इस्लामवादी मुसलमान मजबूर कर रहे हैं या फिर उन्हें अपना सब कुछ छोड़कर बांग्लादेश से बाहर जाने को कह रहे हैं। दुखद है कि इन सभी हिन्दुओं पर होता अत्याचार वैश्विक स्तर पर बड़े बड़ों को जो अपने को शक्तशाली कहते हैं, उन्हें दिखाई नहीं दे रहा है। हर साल दुर्गापूजा पर इन्हें (हिन्दुओं को) निशाना बनाया जाता है। भारत में कुछ सांप्रदायिक मामले होते हैं तो हिंसा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर शुरू हो जाती है। 1992 में भी निशाना बनाया गया था, जब अयोध्या में बाबरी मस्जिद को गिरा दिया था।

शब्द पहेली - 8216

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8215 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुडोकु नवताल- 7154

★★★★★

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सुडोकु नवताल -7153 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

अरहर उत्पादन तकनीक

भूमि का चुनाव एवं तैयारी

हल्की दोमट अथवा मध्यम भारी प्रचुर स्फुर वाली भूमि, जिसमें समुचित पानी निकासी हो, अरहर बोने के लिये उपयुक्त है। खेत को 2 या 3 बाद हल या बखर चला कर तैयार करना चाहिये। खेत खरपतवार से मुक्त हो तथा उसमें जल निकासी की उचित व्यवस्था की जावे।

अरहर की फसल के लिए समुचित जल निकासी वाली मध्य से भारी काली भूमि जिसका पी.एच. मान 7.0-8.5 का हो उत्तम है। देशी हल या ट्रैक्टर से दो-तीन बार खेत की गहरी जुताई क व पाटा चलाकर खेत को समतल करें। जल निकासी की समुचित व्यवस्था करें।

जातियों का चुनाव

बहुफसलीय उत्पादन पद्धति में या हल्की ढलान वाली असिंचित भूमि हो तो जल्दी पकने वाली जातियाँ बोनी चाहिए। निम्न तालिका में उपयुक्त जातियों का विवरण दिया गया हैः

अंतरवर्तीय फसल

अंतरवर्तीय फसल पद्धति से मुख्य फसल की पूर्ण पैदावार एंव अंतरवर्तीय फसल से अतिरिक्त पैदावार प्राप्त होगी । मुख्य फसल में कीडों का प्रकोप होने पर या किसी समय में मौसम की प्रतिकूलता होने पर किसी न किसी फसल से सुनिश्चित लाभ होगा। साथ-साथ अंतरवर्तीय फसल पद्धति में कीडों और रोगों का प्रकोप नियंत्रित रहता है। निम्न अंतरवर्तीय फसल पद्धति मध्य प्रदेष के लिए उपयुक्त है।

अरहर मूंगफली या सोयाबीन 2ः4 कतारों कें अनुपात में (कतारों दूरी 30 से.मी.)

उडद या मूंग 1ः2 कतारों कें अनुपात में (कतारों दूरी 30 से.मी.)

उन्नत जाति जे.के.एम.-189 या ट्राम्बे जवाहर तुवर-501 को सोयाबीन या मूंग या मूंगफली के साथ अंतरवर्तीय फसल में उपयुक्त पायी गई है।

बोनी का समय व तरीका

अरहर की बोनी वर्षा प्रारम्भ होने के साथ ही कर देना चाहिए। सामान्यतः जून के अंतिम सप्ताह से लेकर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक बोनी करें। कतारों के बीच की दूरी शीघ्र पकने वाली जातियों के लिए 60 से.मी. व मध्यम तथा देर से पकने वाली जातियों के लिए 70 से 90 से.मी. रखना चाहिए। कम अवधि की जातियों के लिए पौध अंतराल 15-20 से.मी. एवं मध्यम तथा देर से पकने वाली जातियों के लिए 25-30 से.मी. रखें।

बीज की मात्रा व बीजोपचार

जल्दी पकने वाली जातियों का 20-25 किलोग्राम एवं मध्यम पकने वाली जातियों का 15 से 20 कि.ग्रा. बीज/हेक्टर बोना चाहिए। चैफली पद्धति से बोने पर 3-4 किलों बीज की मात्रा प्रति हैक्टेयर लगती है। बोनी के पूर्व फफूदनाशक दवा 2 ग्राम थायरम .1 ग्राम कार्बेन्डेजिम या वीटावेक्स 2 ग्राम .5 ग्राम ट्रयकोडरमा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें। उपचारित बीज को रायजोबियम कल्चर 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर लगावें।

निंदाई-गुडाई

खरपतवार नियंत्रण के लिए 20-25 दिन में पहली निंदाई तथा फूल आने के पूर्व दूसरी निंदाई करें। 2-3 कोल्पा चलाने से नीदाओं पर अच्छा नियंत्रण रहता है व मिट्टी में वायु संचार बना रहता है । नींदानाषक पेन्डीमेथीलिन 1.25 कि.ग्रा. सक्रिय तत्व / हेक्टर बोनी के बाद प्रयोग करने से नींदा नियंत्रण होता है। नींदानाषक प्रयोग के बाद एक नींदाई लगभग 30 से 40 दिन की अवस्था पर करना लाभदायक होता है।

सिंचाई

जहाँ सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो वहाँ एक हल्की सिंचाई फूल आने पर व दूसरी फलियाँ बनने की अवस्था पर करने से पैदावार में बढोतरी होती है।

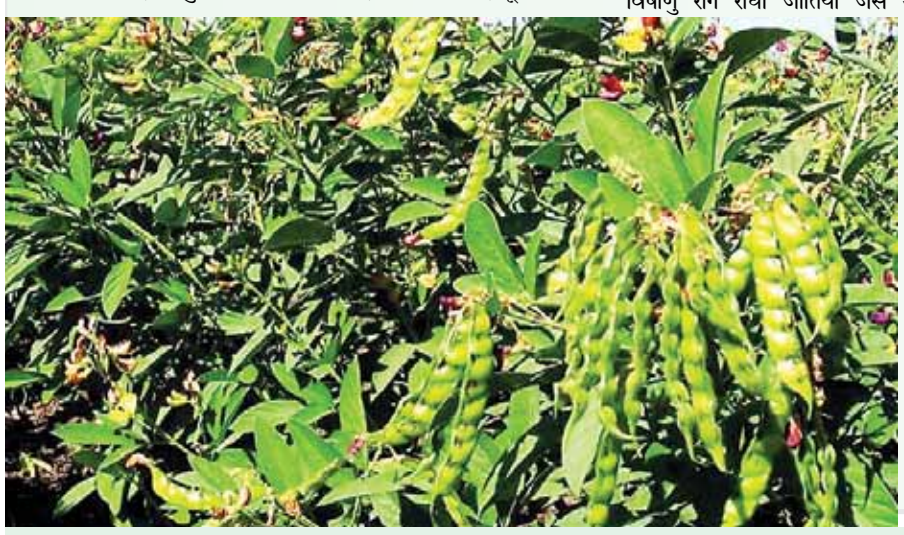

पौध संरक्षण

बीमारियाँ एवं उनका नियंत्रण

उकटा रोगः- यह फ्यूजेरियम नामक कवक से फैलता है। रोग के लक्षण साधारणतया फसल में फूल लगने की अवस्था पर दिखाई पडते है। सितंबर से जनवरी महिनों के बीच में यह रोग देखा जा सकता है। पौधा पीला होकर सूख जाता है । इसमें जडें सड़ कर गहरे रंग की हो जाती है तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने की उचाई तक काले रंग की धारिया पाई जाती है। इस बीमारी से बचने के लिए रोगरोधी जातियाँ जैसे जे.के.एम-189, सी.-11, जे.के.एम-7, बी.एस.एम.आर.-853, 736 आशा आदि बोये। उन्नत जातियों को बीज बीजोपचार करके ही बोयें । गर्मी में गहरी जुताई व अरहर के साथ ज्वार की अंतरवर्तीय फसल लेने से इस रोग का संक्रमण कम रहता है।

बांझपन विषाणु रोगः-

यह रोग विषाणु (वायरस) से होता है। इसके लक्षण ग्रसित पौधों के उपरी शाखाओं में पत्तियाँ छोटी, हल्के रंग की तथा अधिक लगती है और फूल-फली नही लगती है। यह रोग माईट, मकड़ी के द्वारा फैलता है। इसकी रोकथाम हेतु रोग रोधी किस्मों को लगाना चाहिए। खेत में बे मौसम रोग ग्रसित अरहर के पौधों को उखाड कर नष्ट कर देना चाहिए। मकड़ी का नियंत्रण करना चाहिए। बांझपन विषाणु रोग रोधी जातियां जैसे आई.सी.पी.एल. 87119 (आषा), बी.एस.एम.आर.-853, 736 को लगाना चाहिए।

फायटोपथोरा झुलसा रोगः-

रोग ग्रसित पौधा पीला होकर सूख जाता है। इसमें तने पर जमीन के उपर गठान नुमा असीमित वृद्धि दिखाई देती है व पौधा हवा आदि चलने पर यहीं से टूट जाता है। इसकी रोकथाम हेतु 3 ग्राम मेटेलाक्सील फफूँदनाशक दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें। बुआई पाल (रिज) पर करना चाहिए और चवला या मूँग की फसल साथ में लगाये। रोग रोधी जाति जे.ए.-4 एवं जे.के.एम.-189 को बोना चाहिए।

कीटः-

मक्खीः- यह फली पर छोटा सा गोल छेद बनाती है। इल्ली अपना जीवनकाल फली के भीतर दानों को खाकर पूरा करती है एवं बाद में प्रौढ बनकर बाहर आती है। जो वृद्धिरत फलियों में अंडे रोपण करती है। अंडों से मेगट बाहर आते है ओर दाने को खाने लगते है और फली के अंदर ही शंखी में बदल जाती है जिसके कारण दानों का सामान्य विकास रूक जाता है। दानों पर तिरछी सुरंग बन जाती है और दानों का आकार छोटा रह जाता है एवं बाद में प्रौढ बनकर बाहर आती है, जिसके कारण फली पर छोटा सा छेद दिखाई पडता है। फली मक्खी तीन सप्ताह में एक जीवन चक्र पूर्ण करती है।

छेदक इल्लीः-

छोटी इल्लियाँ फलियों के हरे ऊत्तकों को खाती हैं व बडे होने पर कलियों, फूलों, फलियों व बीजों को नुकसान करती है। इल्लियाँ फलियों पर टेढे-मेढे छेद बनाती है। इस कीट की मादा छोटे सफेद रंग के अंडे देती है। इल्लियाँ पीली हरी काली रंग की होती हैं तथा इनके शरीर पर हल्की गहरी पट्टियाँ होती हैं । शंखी जमीन में बनाती है प्रौढ़ रात्रिचर होते है जो प्रकाष प्रपंच पर आकर्षित होते है। अनुकूल परिस्थितियों में चार सप्ताह में एक जीवन चक्र पूर्ण करती हैं।

फली का मत्कुणः- मादा प्रायः फलियों पर गुच्छों में अंडे देती है। अंडे कत्थई रंग के होते है। इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों ही फली एवं दानों का रस चूसते हैं , जिससे फली आड़ी-तिरछी हो जाती है एवं दाने सिकुड़ जाते है। एक जीवन चक्र लगभग चार सप्ताह में पूरा करते है।

प्लू माथ :- इस कीट की इल्ली फली पर छोटा सा गोल छेद बनाती है। प्रकोपित दानों के पास ही इसकी विष्ठा देखी जा सकती है। कुछ समय बाद प्रकोपित दाने के आसपास लाल रंग की फफूँद आ जाती है। मादा गहरे रंग के अंडे एक-एक करके कलियों व फली पर देती है। इसकी इल्लियाँ हरी तथा छोटे-छोटे काटों से आच्छादित रहती है। इल्लियाँ फलियों पर ही शंखी में परिवर्तित हो जाती है। एक जीवन चक्र लगभग चार सप्ताह में पूरा करती है।

ब्रिस्टल ब्रिटलः ये भृंग कलियों फूलों तथा कोमल फलियों को खाती है। जिससे उत्पादन में काफी कमी आती है। यह कीट अरहर, मूंग, उडद तथा अन्य दलहनी फसलों को नुकसान पहुचाता है। सुबह-षाम भृंग को पकडकर नष्ट कर देने से प्रभावी नियंत्रण हो जाता है।

कीट नियंत्रण

कीटों के प्रभावी नियंत्रण हेतु समन्वित संरक्षण प्रणाली अपनाना आवश्यक है।

1. कृषि कार्य द्वारा

गर्मी में गहरी जुताई करें ।
शुद्ध/सतत अरहर न बोयें ।
फसल चक्र अपनायें ।
क्षेत्र में एक समय पर बोनी करना चाहिए।
रासायनिक खाद की अनुशंसित मात्रा ही डालें।
अरहर में अन्तरवर्तीय फसले जैसे ज्वार , मक्का, सोयाबीन या मूंगफली को लेना चाहिए।

2. यांत्रिकी विधि द्वारा

प्रकाश प्रपंच लगाना चाहिए
फेरोमेन टेप्स लगाये
पौधों को हिलाकर इल्लियों को गिरायें एवं उनकों इकटठा करके नष्ट करें
खेत में चिडियों के बैठने के लिए अंग्रेजी शब्द ''टी'' के आकार की खुटिया लगायें।

3. जैविक नियंत्रण द्वारा

एन.पी.वी. 500 एल.ई./हे. .यू.वी. रिटारडेन्ट 0.1 प्रतिषत .गुड 0.5 प्रतिषत मिश्रण का शाम के समय छिडकाव करें।

बेसिलस थूरेंजियन्सीस 1 किलोग्राम प्रति हेक्टर .टिनोपाल 0.1 प्रतिषत .गुड 0.5 प्रतिषत का छिडकाव करे।

4. जैव-पौध पदार्थो के छिडकाव द्वारा

निंबोली सत 5 प्रतिषत का छिडकाव करें

नीम तेल या करंज तेल 10-15 मि.ली.1 मि.ली. चिपचिपा पदार्थ (जैसे सेन्डोविट, टिपाल) प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

निम्बेसिडिन 0.2 प्रतिषत या अचूक 0.5 प्रतिषत का छिडकाव करें।

5. रासायनिक नियंत्रण द्वारा

आवष्यकता पडने पर एवं अंतिम हथियार के रूप में ही कीटनाषक दवाओं का छिडकाव करें।

फली मक्खी एवं फली के मत्कुण के नियंत्रण हेतु सर्वांगीण कीटनाषक दवाओं का छिडकाव करें जैसे डायमिथोएट 30 ई.सी. या प्रोपेनोफॉस-50 के 1000 मिली. मात्रा 500 लीटर पानी में घोलकर छिडकाव करें।

फली छेदक इल्लियों के नियंत्रण हेतु - इण्डोक्सीकार्ब 14.5 ई.सी. 500 एम.एल. या क्वीनालफास 25 ई.सी. 1000 एम.एल. या ऐसीफेट 75 डब्लू.पी. 500 ग्राम को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर छिडकाव करें। दोनों कीटों के नियंत्रण हेतू प्रथम छिडकाव सर्वांगीण कीटनाषक दवाई का करें तथा 10 दिन के अंतराल से स्पर्ष या सर्वांगीण कीटनाषक दवाई का छिडकाव करें। तीन छिडकाव में पहला फूल बनना प्रारंभ होने पर, दूसरा 50 प्रतिषत फूल बनने पर और तीसरा फली बनने की अवस्था पर करने से सफल कीट नियंत्रण होता है।

6. कटाई एवं गहाई

जब पौधे की पत्तियाँ खिरने लगे एवं फलियाँ सूखने पर भूरे रंग की हो जाए तब फसल को काट लेना चाहिए। खलिहान में 8-10 दिन धूप में सूखाकर ट्रैक्टर या बैलों द्वारा दावन कर गहाई की जाती है। बीजों को 8-9 प्रतिषत नमी रहने तक सूखाकर भण्डारित करना चाहिए। उन्नत उत्पादन तकनीकी अपनाकर अरहर की खेती करने से 15-20 क्विंटल/हेक्ट उपज असिंचित अवस्था में और 25-30 क्विंटल/हेक्ट उपज सिंचित अवस्था में प्राप्त कर सकते है।

कोदों एवं कुटकी की उन्नत उत्पादन तकनीक

कोदों एवं कुटकी की खेती

ये फसलें गरीब एवं आदिवासी क्षेत्रों में उस समय लगाई जाने वाली खाद्यान फसलें हैं जिस समय पर उनके पास किसी प्रकार अनाज खाने को उपलब्ध नहीं हो पाता है। ये फसलें अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितम्बर के प्रारंभ में पककर तैयार हो जाती है जबकि अन्य खाद्यान फसलें इस समय पर नही पक पाती और बाजार में खाद्यान का मूल्य बढ़ जाने से गरीब किसान उन्हें नही खरीद पाते हैं। अतः उस समय 60-80 दिनों में पकने वाली कोदो-कुटकी, सावां,एवं कंगनी जैसी फसलें महत्वपूर्ण खाद्यानों के रूप में प्राप्त होती है।

भूमि की तैयारी

ये फसलें प्रायः हर एक प्रकार की भूमि में पैदा की जा सकती है। जिस भूमि में अन्य कोई धान्य फसल उगाना संभव नही होता वहां भी ये फसलें सफलता पूर्वक उगाई जा सकती हैं। उतार-चढाव वाली, कम जल धारण क्षमता वाली, उथली सतह वाली आदि कमजोर किस्म में ये फसलें अधिकतर उगाई जा रही है। हल्की भूमि में जिसमें पानी का निकास अच्छा हो इनकी खेती के लिये उपयुक्त होती है। बहुत अच्छा जल निकास होने पर लघु धान्य फसलें प्रायः सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है।भूमि की तैयारी के लिये गर्मी की जुताई करें एवं वर्षा होने पर पुनः खेत की जुताई करें या बखर चलायें जिससे मिट्टी अच्छी तरह से भुरभुरी हो जावें।

बीज का चुनाव एवं बीज की मात्रा

भूमि की किस्म के अनुसार उन्नत किस्म के बीज का चुनाव करें। हल्की पथरीली व कम उपजाऊ भुमि में जल्दी पकने वाली जातियों का तथा मध्यम गहरी व दोमट भूमि में एवं अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में देर से पकने वाली जातियों की बोनी करें। लघु धान्य फसलों की कतारों में बुवाई के लिये 8-10 किलोग्रांम बीज तथा छिटकवां बोनी के लिये 12-15 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है।लघु धान्य फसलों को अधिकतर छिटकवां विधि से बोया जाता है। किन्तु कतारों में बोनी करने से निदाई गुड़ाई में सुविधा होती है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

बोनी का समय, बीजोपचार एवं बोने का तरीका

वर्षा आरंभ होने के तुरंत बाद लघु धान्य फसलों की बोनी कर देना चाहिये। षीघ्र बोनी करने से उपज अच्छी प्राप्त होती है एवं रोग, कीट का प्रभाव कम होता है। कोदों में सूखी बोनी मानसून आने के दस दिन पूर्व करने पर उपज में अन्य विधियों से अधिक उपज प्राप्त होती है। जुलाई के अन्त में बोनी करने से तना मक्खी कीट का प्रकोप बढ़ता है।

बोनी से पूर्व बीज को मेन्कोजेब या थायरम दवा 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार करें। ऐसा करने से बीज जनित रोगों एवं कुछ हद तक मिट्टी जनित रोगों से फसल की सुरक्षा होती है। कतारों में बोनी करने पर कतार से कतार की दूरी 20-25 से.मी. तथा पौधों से पौधों की दूरी 7 से.मी. उपयुक्त पाई गई है। इसकी बोनी 2-3 से.मी. गहराई पर की जानी चाहिये। कोदों में 6-8 लाख एवं कुटकी में 8-9 लाख पौधे प्रति हेक्टेयर होना चाहिये।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

प्रायः किसान इन लघु धान्य फसलों में उर्वरक का प्रयोग नहीं करते हैं। किंतु कुटकी के लिये 20 किलो नत्रजन 20 किलो स्फुर/हेक्टे. तथा कोदों के लिये 40 किलो नत्रजन व 20 किलो स्फुर प्रति हेक्टेयर का उपयोग करने से उपज में वृद्धि होती है। उपरोक्त नत्रजन की आधी मात्रा व स्फुर की पूरी मात्रा बुवाई के समय एवं नत्रजन की षेष आधी मात्रा बुवाई के तीन से पांच सप्ताह के अन्दर निंदाई के बाद देना चाहिये।बुवाई के समय पी.एस.बी. जैव उर्वरक 4 से 5 किग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से 100 किग्रा. मिट्टी अथवा कम्पोस्ट के साथ मिलाकर प्रयोग करे ।

निंदाई गुड़ाई

बुवाई के 20-30 दिन के अन्दर एक बार हाथ से निन्दाई करना चाहिये तथा जहां पौधे न उगे हों वहां पर अधिक घने ऊगे पौधों को उखाड़कर रोपाई करके पौधों की संख्या उपयुक्त करना चाहिये। यह कार्य 20-25 दिनों के अंदर कर ही लेना चाहिये। यह कार्य पानी गिरते समय सर्वोत्तम होता है।

फसल की कटाई गहाई एवं भंडारण

फसल पकने पर कोदों व कुटकी को जमीन की सतह के उपर कटाई करें। खलियान में रखकर सुखाकर बैलों से गहाई करें। उड़ावनी करके दाना अलग करें। रागी, सांवा एवं कंगनी को खलिहान में सुखाकर तथा इसके बाद लकड़ी से पीटकर अथवा पैरों से गहाई करें। दानों को धूप में सुखाकर (12 प्रतिषत) भण्डारण करें।

भण्डारण करते समय सावधानियाँ

भण्डार गृह के पास पानी जमा नहीं होना चाहिये। भण्डार गृह की फर्ष सतह से कम से कम दो फीट ऊंची होनी चाहिये।

2- कोठी, बण्डा आदि में दरार हो तो उन्हें बंदकर देवे। इनकी दरार में कीडे हो तो चूना से पुताई कर नष्ट कर देवें।

3- कोदों का भण्डारण कई वर्षो तक किया जा सकता है, क्योंकि इनके दानों में कीट का प्रकोप नहीं होता है। अन्य लघु धान्य फसल को तीन से पांच वर्ष तक भण्डारित किया जा सकता है।

पशुओं के चारे हेतु ज्वार की नई उन्नत किस्म 'सीएसवी 44 एफ'

पशुपालन से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक पशु से अधिक दूध प्राप्त किया जाए 7 पशु आहार पशु में दूध उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है 7 हरा चारा एवं संतुलित आहार खिलाने से पशुओं में न केवल दूध उत्पादन बढ़ता है बल्कि पशुओं की सेहत भी अच्छी रहती है 7 कई पशुपालक किसान पशुओं को खिलाने के लिए हरे चारे की खेती भी करते हैं 7 ऐसे किसानों के लिए वैज्ञानिकों ने ज्वार की नई किस्म विकसित की है, जो न केवल पशुओं में दूध उत्पादन को बढ़ाती है बल्कि पशुओं के लिए सेहतमंद भी है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,हिसार के कृषि वैज्ञानिकों ने पशुओं के चारे की फसल ज्वार की नई व उन्नत किस्म 'सीएसवी 44 एफ' विकसित कर विश्वविद्यालय के नाम एक और उपलब्धि दर्ज करवा दी है। ज्वार की इस किस्म को विश्वविद्यालय के अनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग द्वारा विकसित किया गया है। इस किस्म को भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि एवं सहयोग विभाग की 'फसल मानक, अधिसूचना एवं अनुमोदन केंद्रीय उप-समिति' द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 84वीं बैठक में अधिसूचित व जारी कर दिया गया है।

ज्वार की नई विकसित किस्म 'सीएसवी 44 एफ' की विशेषताएं

'सीएसवी 44 एफ' किस्म में अन्य किस्मों की तुलना में प्रोटीन व पाचनशीलता अधिक है, जिसकी वजह से यह पशु के दुग्ध उत्पादन में बढ़ोतरी करती है। इस किस्म में मिठास 10 प्रतिशत से भी अधिक व स्वादिष्ट होने के कारण पशु इसे खाना काफी पसंद करते हैं। इस किस्म में हरे चारे के लिए प्रसिद्ध किस्म 'सीएसवी 21 एफ' से 7.5 प्रतिशत व 'सीएसवी 30 एफ' से 5.8 प्रतिशत अधिक हरे चारे की पैदावार होने के कारण किसानों को अधिक मुनाफा भी होगा। सिफारिश किए गए उचित खाद व सिचाई प्रबंधन के अनुसार यह किस्म अधिक पैदावार देने में सक्षम है और इसे लवणीय भूमि में भी उगाया जा सकता है। अधिक बारिश व तेज हवा चलने पर भी यह किस्म गिरती नहीं है। ज्वार में प्राकृतिक तौर पर पाया जाने वाला विषैला तत्व धूरिन इस किस्म में बहुत ही कम है। 'सीएसवी 44 एफ' किस्म तनाछेदक कीट की प्रतिरोधी है व इसमें पत्तों पर लगने वाले रोग भी नहीं लगते। ज्वार की यह किस्म दक्षिणी राज्यों मुख्यतः कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के लिए सिफारिश की गई है। हालांकि इस किस्म को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एचएयू में ही विकसित किया है 7 इस किस्म को हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में परीक्षण के तौर पर लगाया गया था, जहां इसके बहुत ही सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसलिए यहां किसानों के लिए भी इसकी सिफारिश संबंधी प्रपोजल जल्द ही कमेटी को भेजा जाएगा।

अभी तक विकसित की गई ज्वार की किस्में

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,हिसार के चारा अनुभाग 1970 से अब तक ज्वार की कुल आठ किस्में विकसित कर चुका है । इनमें से बहु-कटाई वाली किस्म एसएसजी 59-3 (1978), दो कटाई वाली किस्म एचसी 136 (1982) व एक कटाई वाली किस्में एचसी 308 (1996), एचजे 513 (2010) और एचजे 541 (2014) किसानों की पहली पसंद बनी हैं ।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय हॉकी टीम का जोरदार स्वागत

पूरे देश को खुशी मनाते देखना एक अवर्णनीय एहसास है : हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को स्वदेश लौट आई है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचने पर टीम का जोरदार स्वागत हुआ। टीम के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर फैन्स भी पहुंचे थे। ढोल-नगाड़े के साथ जश्न मनाया। इस दौरान भारतीय हॉकी टीम के खलिाड़यिों न भांगड़े की थाप पर डांस भी कयिा। शानदार स्वागत पर भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि भारतीय प्रशंसक पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने पर हमें बधाई देने के लिए आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम ने ओलंपिक की तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ी और आपके प्रयासों को सफल होते देखना, पूरे

देश को हमारी जीत पर खुशी मनाते देखना, एक अवर्णनीय एहसास है। हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में हरमनप्रीत ने कहा कि पेरिस ओलंपिक एक अविस्मरणीय अनुभव रहा। हम आने वाले कुछ समय तक इन यादों को संजोकर रखेंगे। इस कांस्य पदक के साथ टीम ने साबित कर दिया है कि भारतीय हॉकी फिर से पटरी पर आ गई है। उन्होंने कहा कि हमें बस अपनी टीम पर विश्वास और भारतीय हॉकी प्रशंसकों के अटूट समर्थन की आवश्यकता है। मैं उनसे हॉकी से प्यार करना जारी रखने, हमारा समर्थन करना जारी रखने का अनुरोध करता हूं और हम आपके लिए यह सब जीतेंगे। टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने टीम में भाईचारे की चर्चा करते हुए कहा कि हमें एक-दूसरे पर यह अटूट विश्वास था कि अगर आप एक कदम चूक गए तो टीम का कोई साथी तुरंत आगे आकर आपकी भरपाई कर देगा। यही बात हमें मैदान पर हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

भारतीय टीम ने दिखाया शानदार खेल- पेरिस ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार खेल दिखाया। टीम ने ओलंपिक में 52 साल बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराया। फिर इसके बाद क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया। भारतीय टीम ने अमित रोहिदास को दूसरे क्वार्टर में रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद 40 मिनट से अधिक समय तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेला। इसके बावजूद टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। हालांकि सेमीफाइनल में भारत को जर्मनी के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा लेकिन भारतीय टीम ने कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हरा दिया और कांस्य पदक अपने नाम किया।

पेरिस ओलंपिक में अमन सेहरावत ने जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता। अमन ने शुक्रवार को कांस्य के लिए खेले गए मुकाबले में पुअर्तो रिको के डारियान टोई क्रूज को 13-5 के अंतर से हराया। इससे पहले, 21 वर्षीय पहलवान अमन ने गुरुवार को प्री क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल में दमदार प्रदर्शन किया था लेकिन पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग के सेमीफाइल में जापान के शीर्ष वरीय रेई हिगुची से एकतरफा अंदाज में हार गए थे। भारत ने पेरिस ओलंपिक में अबतक पांच कांस्य और एक रजत सहित कुल छह पदक जीते हैं। पहले राउंड में ही अमन 6-3 से आगे चल रहे थे। दूसरे राउंड अमन ने इस बढ़त को और आगे बढ़ाया और क्रूज को कोई मौका नहीं दिया। इस तरह अमन सहरावत ने जीत हासिल की। अमन पेरिस ओलंपिक

में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान थे। हालांकि, उन्होंने कुश्ती में पदकों के सिलसिले को बरकरार रखा। भारत 2008 बीजिंग ओलंपिक के बाद से हर ओलंपिक में कुश्ती में पदक जीत रहा है। 2008 में सुशील कुमार ने कांस्य, 2012 में सुशील ने रजत और योगेश्वर दत्त ने कांस्य, 2016 में साक्षी मलिक ने कांस्य, 2020 टोक्यो ओलंपिक में रवि दहिया ने रजत और बजरंग पूनिया ने कांस्य पदक जीता था। अमन का यह पहला ओलंपिक था और उन्होंने अपने पहले ही ओलंपिक में कांस्य पदक जीत लिया है। अमन ने इस तरह ओलंपिक में कुश्ती में भारत का पदक का खाता खोला। विनेश फोगाट के अयोग्य करार दिए जाने के बाद निराशा में डूबे भारत को उन्होंने खुशियां दी हैं।

आईपीएल में ही कोचिंग करना चाहते हैं पोंटिंग

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग अगले सत्र में भी आईपीएल में ही कोचिंग करते दिखेंगे। पोंटिंग लंबे समय तक आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के कोच रहे हैं पर अब उनका ये अनुबंध समाप्त हो गया है। उनके इंग्लैंड टीम के कोच बनने की संभावनाएं जतायी जा रहीं थीं पर पोंटिंग इसके लिए तैयार नहीं हैं। इसका कारण है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पूर्णकालिक कोच बनने तैयार नहीं हैं। इसका कारण है कि वह वह परिवार के साथ भी समय बिताना चाहते हैं पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग में ये संभव नहीं है। कोच को लंबे समय तक टीम के साथ रहना पड़ता है। इस को लेकर इस पूर्व कप्तान ने कहा कि मुझे अपने टीवी काम के साथ-साथ अन्य प्रतिबद्धताएं भी मिली हैं मैं जो चीजें करता हूं और घर पर अच्छे समय के साथ इसे संतुलित करने की

भी कोशिश करता हूं। एक कार्यक्रम में पोंटिंग ने कहा,अन्य अंतरराष्ट्रीय टीमों को कोचिंग देना एक बात है पर एक ऑस्ट्रेलियाई के लिए इंग्लैंड को कोचिंग देना शायद थोड़ा अलग है। अभी मेरे पास ऑस्ट्रेलिया में ही काफी काम है। पोंटिंग ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच भ रहे थे। इसके अलावा टी20 विश्वकप के बाद हुए मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में वह वाशिंगटन फ्रीडम टीम के कोच थे। इस टीम के साथ उनका करार 2025 तक है। पोंटिंग ने कहा कि वह आईपीएल में फिर से कोचिंग करना चाहेंगे क्योंकि इसमें वह एक खिलाड़ी के बाद कोच की भूमिका में रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स को को हालांकि वह सफलत नहीं दिला पाये जिसका उन्हें दुख है। पोंटिंग ने यह भी कहा कि दिल्ली कैपिटल्स अपने अगले मुख्य कोच को चुनने के लिए एक अलग रवैयाअपनाएगी और किसी भारतीय कोच को अपने साथ जोड़ना चाहेगी।

विनेश फोगाट पर सुनवाई पूरी , फैसला जल्द आने की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाफ को पेरिस ओलंपिक फाइनल से ठीक पहले वजन अधिक होने के आरोप में अयोग्य करार दिये जाने के मामले में सुनवाई पूरी हो गयी है। इस मामले में अब फैसला जल्द आने की उम्मीद है। विनेश ने इस प्रकार अयोग्य ठहराने जाने के खिलाफ भारतीय ओलंपिक संघ कोर्ट (आईओए) के साथ मिलकर ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (कैस) में अपील की थी। कैस में इस मामले को लेकर 3 घंटे सुनवाई चली। फाइनल से पहले विनेश का वजन उनके 50 किलो वर्ग में 100 ग्राम अधिक पाया गया था। आईओए को उम्मीद है कि इस मामले में फैसला विनेश के पक्ष में आयेगा। आईओए ने अपने एक बयान में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ को उम्मीद है कि विनेश की अपील पर कोई अच्छा फैसला आयेगा।' विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज उतरीं जबकि वह सेमीफाइनल में विनेश से हारी थी। विनेश ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रुप से रजत पदक दिये जाने की अपील की है। विनेश का कहना है कि मंगलवार को लोपेज के खिलाफ हुए मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित

50 किलो सीमा के अंदर था। विनेश का पक्ष सीनियर एडवोकेट हरीश साल्वे और विदुष्पत सिंघानिया ने रखा। आईओए ने कहा, 'मामला विचाराधीन है, इसलिए आईओए अभी इतना ही कह सकता है कि ऑस्ट्रेलियाई आर्बिट्रेटर डॉक्टर अनाबेल बेनेट एसी एसी ने सभी पक्षों को सुना। इस दौरान विनेश के अलावा यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग, इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी और आईओए ने अपनी ओर से पक्ष रखे। सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई से पहले एफिडेविट जमा करने को कहा गया था। उसके बाद ही बहस हुई। आईओए ने कहा, 'आर्बिट्रेटर बेनेट ने संकेत दिया कि आदेश का कार्यकारी हिस्सा जल्दी ही आएगा। वहीं विस्तृत फैसला बाद में सुनाया जाएगा।' वहीं आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, 'आईओए मानता है कि विनेश का साथ देना उसका काम है क्योंकि हमें उसकी उपलब्धियों पर गर्व है।'

व्यापार

वित्त मंत्री आरबीआई की बैठक में पहुंची, बोलीं- बैंकिंग कानून में बदलाव जरूरी

वित्त मंत्री ने बैंकों को कोर बैंकिंग पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल के सदस्यों की बैठक में शामिल हुईं। यह बैठक केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद और लोकसभा द्वारा वित्त विधेयक पारित किए जाने के कुछ दिनों बाद आयोजित की गई थी, जिसमें सरकार द्वारा संसद में कुछ संशोधन पेश किए गए थे। वित्त मंत्री ने बैंकों को कोर बैंकिंग पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। बैठक के दौरान सीतारमण ने बैंकों को अपने महत्वपूर्ण कारोबार की प्राथमिकता तय करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि आरबीआई और सरकार दोनों चाहते हैं कि बैंक कोर बैंकिंग पर ध्यान दें। हम जो बैंकिंग कानून में संशोधन ला रहे हैं। उसके कई कारण हैं। यह कुछ समय से लंबित है, इसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सहकारी क्षेत्र के बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में भी इसमें कुछ बदलाव प्रस्तावित हैं। लोगों को अपने खातों में एक से अधिक लोगों को नॉमिनेट करने की सुविधा मिलेगी। यह एक ग्राहक-अनुकूल कदम है क्योंकि मुझे लगता है कि ग्राहकों के लिए यह विकल्प होना महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित करना है कि नामांकित व्यक्ति को बाद में दावा करने में किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि नामांकन का मुद्दा लंबे समय से लंबित रहा है और इस बदलाव से कारोबार सुगमता में सुधार होगा। जहां तक दावा न की गई जमाराशियों का संबंध है, पिछले वर्ष हमने एक विशेष अभियान चलाया था जिसके अंतर्गत हमने प्रत्येक बैंक को सलाह दी थी कि प्रत्येक शाखा को अपनी अदावाकृत जमाराशियों के मामले में स्वयं सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। शीर्ष दस गैर-दावाकृत जमाराशियों की पहचान करने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए और ऐसे वक्तियों तक व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। प्रगति संतोषजनक रही है। बैठक में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और बैंक के निदेशक मंडल के के अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में बजट प्रावधानों और देश में मौजूदा आर्थिक स्थितियों पर चर्चा की गई।

हिंडनबर्ग ने फिर किया एक ट्वीट, भारत में मची खलबली

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को फिर एक ट्वीट कर दिया है, जिससे भारत में खलबली मच गई है। इस पोस्ट में भारत पर एक नई रिपोर्ट की संभावना का संकेत दिया है। बता दें कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिससे कंपनी के शेयर की कीमत में भारी गिरावट आई. उस समय समूह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में समूह द्वारा शेयरों में हेरफेर और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। यह मामला शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के आरोपों से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि अडानी ने अपने शेयरों की कीमतें बढ़ा दी हैं। इन आरोपों के प्रकाशित

होने के बाद अडानी समूह की विभिन्न कंपनियों के शेयरों में तेजी से गिरावट आई, जो 100 बिलियन डॉलर से अधिक की थी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर की रिपोर्ट अडानी एंटरप्राइजेज द्वारा जारी 2.5 बिलियन डॉलर के फॉलो-अप पब्लिक ऑफरिंग से दो दिन पहले प्रकाशित हुई थी। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगे सभी आरोपों का बार-बार खंडन किया है। इस साल जुलाई में भारत के एक वरिष्ठ वकील ने आरोप लगाया था कि चीनी संबंधों वाले एक अमेरिकी व्यवसायी ने हिंडनबर्ग रिसर्च को एक रिपोर्ट तैयार करने का काम दिया था, जिससे जनवरी-फरवरी 2023 में अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी।

लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजार में रही गिरावट

- सेंसेक्स 819.69 अंकों की बढ़त के साथ 79,705.91 पर बंद
- निफ्टी 250.50 अंक मजबूत होकर 24,367.50 पर बंद

मुंबई। अमेरिकी मंदी की आशंका, मध्य पूर्व में भूराजनीतिक तनाव, भारतीय रिजर्व बैंक की उम्मीद के मुताबिक पालिसी के नतीजे और भारतीय कंपनियों के मिलेजुले वित्तीय परिणामों की वजह से शुक्रवार को समाप्त हुए दूसरे सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी रही। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार खुलते ही क्रैश हो गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 2401.49 अंक गिरकर 78,580.46 पर खुला और 2,222.55 अंकों की गिरावट के साथ 78,759.40 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 489.65 अंक का गोता लगाकर 24,228.05 पर खुला और 2.68 फीसदी की गिरावट के

साथ 24,055.60 पर बंद हुआ। सोमवार को बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को सेंसेक्स 921 अंक बढ़कर 79,680 पर खुला और 166.33 अंक टूटकर 78,593.07 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 262 अंक बढ़कर 24,318 पर खुला और 63.05 अंक फिसलकर 23,992.55 पर बंद हुआ। भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को 1 फीसदी से अधिक की बढ़त देखी गई। सेंसेक्स 740 अंकों की मजबूती के साथ 79,353.53 पर खुला और 874.94 अंकों की बढ़त के साथ 79,468.01 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी लगभग इसी समय 296.55 अंकों की बढ़त के साथ 24,289.50 पर खुला और 317.46 अंक चढ़कर 24,310.00 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। आरबीआई के फैसले के बाद गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 181 अंक गिरकर 79,286 पर खुला और 581.79 अंक टूटकर 78,886.22 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी50 56 अंक गिरकर 24,240 पर खुला और 180.50 अंक गिरकर 24,117 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 789 अंक उछलकर 79,675 पर खुला और 819.69 अंकों की बढ़त के साथ 79,705.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 235 अंक बढ़कर 24,352 पर खुला और 250.50 अंक मजबूत होकर 24,367.50 के स्तर पर बंद हुआ।

बांग्लादेश में हिंसा से व्यापार ठप, गुजरात के व्यापारियों का अटका 1200 करोड़

भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ

नई दिल्ली। बांग्लादेश में चल रही हिंसा की वजह से वहां कारोबार पूरी तरह से ठप हो गया है, जिससे गुजरात के व्यापारियों और व्यवसायियों को बड़ा झटका दिया है। बांग्लादेश में हिंसा से गुजरात के व्यापारियों का 1,200 करोड़ अटका हुआ है। देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारतीय व्यापारी उम्मीद कर रहे हैं कि बांग्लादेश में स्थिति सामान्य होगी और फिर से व्यापार चालू होगा। गुजरात से बांग्लादेश को रिएक्टिव डाईज, केमिकल्स, पिगमेंट पेस्ट, हैंडलूम उत्पाद, दवाईयां और टाइल्स का निर्यात किया जाता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और यूरोप

में मंदी के बाद बांग्लादेश डाईज, केमिकल्स और इंटरमीडिएट्स जैसे सामानों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया था। लेकिन बांग्लादेश में भड़की हिंसा और सत्ता परिवर्तन ने एक बार फिर व्यापार पर ग्रहण लगा दिया है। गुजराती व्यापारियों को चिंता है कि बांग्लादेशी बैंकों द्वारा जारी लेटर्स ऑफ क्रेडिट वर्तमान में वहां की भारत विरोधी भावना के कारण सम्मानित नहीं किए जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। जिसमें भारत ने 12.2 अरब डॉलर मूल्य का का निर्यात किया और 1.8 अरब डालर का आयात हुआ। इस वर्ष व्यापार और बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल से व्यापार ठप हो गया है। बांग्लादेश में मची उथल-पुथल का सूरत के कपड़ा व्यापार को सबसे ज्यादा झटका लगा है। करीब 500 करोड़ का कपड़ा कारोबार प्रभावित हुआ है। सूरत से पिछले साल 1200 करोड़ रुपए का कपड़ा बांग्लादेश को एक्सपोर्ट किया गया था।

बॉक्स ऑफिस पर औरों में कहां दम था की दैनिक कमाई में गिरावट जारी

अजय देवगन की इस साल अब तक तीन फिल्में रिलीज हो चुकी हैं. एक्टर की हॉरर-थ्रिलर शैतान जहां बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी तो दूसरी फिल्म मैदान का बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन रहा. लेकिन इस फिल्म में अजय की एक्टिंग की क्रिटिक्स और दर्शकों ने काफी तारीफ की. हालांकि, अभिनेता की हालिया तीसरी रिलीज रोमांटिक-थ्रिलर औरों में कहां दम था बॉक्स ऑफिस पर फेल हो गई हैं. फिल्म को रिलीज के पहले दिन से ही दर्शकों से ठंडा रिस्पॉन्स मिल रहा है और इसी के साथ ये फिल्म रिलीज के एक हफ्ता पूरा होने से पहले ही कमाई के मामले में फुस्स हो चुकी है. चलिए यहां जानते हैं औरों में कहां दम था ने छठे दिन यानी पहले बुधवार को कितना कलेक्शन किया है? औरों में कहां दम था बॉक्स ऑफिस पर काफी सुस्त रफ्तार से आगे बढ़ रही है. इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से मिक्स्ड रिव्यू मिला था. अजय देवगन और तबू की स्टार पावर भी फिल्म को डूबने से नहीं बचा पाई है. इसी के साथ ये फिल्म अजय देवगन की सबसे बड़ी डिजास्टर मूवी बन चुकी है. फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता भी नहीं हुआ है और इसकी कमाई करोड़ों से लाखों में सिमट चुकी है. फिल्म के डे वाइज कलेक्शन की बात करें तो औरों में कहां दम था ने रिलीज के पहले दिन 1.85 करोड़ से खाता खोला था. दूसरे दिन फिल्म ने 2.15 करोड़ कमाए. तीसरे दिन फिल्म की कमाई 2.75 करोड़, चौथे दिन 1 करोड़ और पांचवें दिन 97 लाख रही. वहीं अब फिल्म की रिलीज के छठे दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक औरों में कहां दम था ने रिलीज के छठे दिन 75 लाख का कलेक्शन किया है. इसी के साथ औरों में कहां दम था की 6 दिनों की कुल कमाई अब 9.45 करोड़ रुपये हो गई है. औरों में कहां दम था 100 करोड़ की लागत से बनी फिल्म है.

स्त्री 2 के नए गाने खूबसूरत में नए आशिक

भेड़िया वरुण धवन से इश्क लड़ाएंगी श्रद्धा कपूर

देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस 2024 पर बॉलीवुड और साउथ से कई फिल्में रिलीज हो रही हैं. इसमें से एक है मच अवेटेड बॉलीवुड हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2. राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी स्टारर फिल्म 15 अगस्त को रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म का ट्रेलर, टीजर, पोस्टर्स और सॉन्ग पहले ही दर्शकों में फिल्म देखने की बेताबी बढ़ा चुके हैं. अब स्त्री 2 से दर्शकों को नया सरप्राइज मिलने जा रहे हैं. स्त्री 2 का नया गाना खूबसूरत रिलीज होने जा रहा है. इस गाने की खूबसूरती यह है कि इसमें वरुण धवन स्त्री श्रद्धा कपूर संग इश्क फरमाते नजर आएंगे. बता दें, स्त्री 2 के मेकर्स ने फिल्म के नए गाने खूबसूरत का टीजर छोड़ा है. इस टीजर में कॉमेडी ड्रामा फिल्म भेड़िया फेम एक्टर वरुण धवन स्त्री श्रद्धा कपूर से इश्क फरमाते नजर आएंगे.

सॉन्ग खूबसूरत का टीजर काफी आशिक मिजाज लग रहा है. इस टीजर को शेयर कर वरुण धवन ने लिखा है, इस स्त्री की खूबसूरती का कौन है ये नया आशिक? गाना खूबसूरत कल 9 अगस्त को रिलीज होगा. अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2 के लिए बॉक्स ऑफिस पर मोटा पैसा कमाना आसान नहीं होगा. क्योंकि 15 अगस्त को अक्षय कुमार की खेल-खेल में, जॉन अब्राहम की वेदा, साउथ सुपरस्टार राम पोथिनेनी की एक्शन ड्रामा फिल्म डबल इस्मार्ट शंकर रिलीज होने जा रही हैं. वहीं, स्त्री 2 के मेकर्स ने नया दांव खेलते हुए 14 अगस्त को फिल्म के नाइट शो चलाने का प्लान बनाया है. अब देखना है कि इन फिल्मों से दर्शक किसे सबसे ज्यादा प्यार देते हैं.

रायन ने कमल हसन की इंडियन 2 को पछाड़ा

धनुष की फिल्म बनी साल 2024 की सबसे कमाऊ तमिल मूवी

साउथ सुपरस्टार धनुष स्टारर रायन ने दो हफ्ते पूरे होने से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है. पहले हफ्ते की कमाई में रायन विजय सेतुपति की महाराजा को पीछे छोड़ते हुए दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बनीं वहीं अब दूसरा हफ्ता खत्म होने से पहले ही फिल्म ने कमल हासन की इंडियन 2 को भी पीछे छोड़ दिया है.. कमल हासन स्टारर इंडियन 2 ने इस साल की शुरुआत में 81.31 करोड़ रुपये की कमाई की थी. मीडिया ट्रेड के मुताबिक रायन ने 13 दिनों में 82.25 करोड़ रुपये की कुल कमाई के साथ इस आंकड़े को पार कर लिया है. इससे पहले, यह फिल्म महाराजा को पीछे छोड़कर साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बनी थी. विजय सेतुपति स्टारर इस फिल्म ने 72.1 करोड़ रुपये की घरेलू कमाई की थी और रायन ने 10 दिनों में इस आंकड़े को पार कर लिया था. वहीं वर्ल्डवाइड बात करें तो यह 130 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है, जो इंडियन 2 को पीछे छोड़ने से कुछ ही कदम दूर है. इंडियन 2 ने वर्ल्डवाइड 148.81 करोड़ रुपये की लाइफटाइम कमाई की थी. रायन ने इस साल तमिल फिल्म इंडस्ट्री के लिए सबसे बड़ा रिकॉर्ड पहले ही हासिल कर लिया है. यह धनुष की 50वीं फिल्म है और टिकट विंडो पर उनकी सबसे बड़ी हिट बन चुकी है. देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये के नेट-मार्क को छूती है या नहीं. वर्कफ्रंट की बात करें तो इससे पहले धनुष कैप्टन मिलर थी. वहीं उनकी अपकमिंग फिल्मों में कुबेरा और इलैयाराजा पाइपलाइन में हैं.

बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर बनी जाह्नवी कपूर की उलझ

6 दिन में बस इतनी हुई कमाई

जाह्नवी कपूर की लेटेस्ट रिलीज 'उलझ बॉक्स ऑफिस पर भी उलझ कर रह गई है. फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया है और इसी के साथ ये बॉक्स ऑफिस पर बेहद खराब परफॉर्म कर रही है. इस फिल्म को रिलीज हुए एक हफ्ता भी नहीं हुआ है और अब इसका टिकट काउंटर से पत्ता साफ होता हुआ नजर आ रहा है. चलिए यहां जानते हैं 'उलझ ने रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार को कितना कलेक्शन किया है? जाह्नवी कपूर की हालिया रिलीज उलझ की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट बेहद निराशाजनक है. फिल्म

की रिलीज से पहले लग रहा था कि ये सिनेमाघरों में धमला मचा देगी. लेकिन सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित, 'उलझ का रिलीज के एक हफ्ता पूरा होने से पहले ही बंटाधार हो चुका है. फिल्म रिलीज के पहले दिन से सिनेमाघरों में दर्शकों के लिए तरसती हुई नजर आ रही है और ये सिलसिला छठे दिन भी बरकरार है. फिल्म की खराब परफॉर्मेंस के चलते ये बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हो गई है. वहीं 'उलझ के कलेक्शन कि बात करें तो इस फिल्म ने 1.15 करोड़ से ओपनिंग की थी. दूसरे दिन इस फिल्म ने 1.75 करोड़ कमाए. वहीं तीसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 2 करोड़ रहा जबकि चौथे दिन 'उलझ ने 65 लाख की कमाई की. वहीं पांचवें दिन फिल्म का कारोबार 70 लाख रहा. अब 'उलझ की कमाई के छठे दिन यानी पहले बुधवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'उलझ ने रिलीज के छठे दिन यानी पहले बुधवार को 60 लाख का कारोबार किया है. इसी के साथ 'उलझ की 6 दिनों की कमाई 6.80 करोड़ रुपये हो गई है. 'उलझ बॉक्स ऑफिस पर अब अंतिम सांसे गिन रही है. फिल्म की हालत बेहद खराब हो चुकी है. बता दें कि 50 करोड़ के बजट में बनी ये स्पाई थ्रिलर रिलीज के 6 दिन बाद भी 10 करोड़ का आंकड़ा छूने से अभी काफी दूर है. वहीं फिल्म की कमाई की रफ्तार देखते हुए तो इसके ये नंबर पार करना नामुमकिन लग रहा है. ऐसे में हर दिन घट रहे कलेक्श के साथ 'उलझ का जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर से पैकअप होता हुआ नजर आ रहा है. बता दें कि 'उलझ में जाह्नवी कपूर के अलावा गुलशन देवैया, रोशन मैथ्यूज, आदिल हुसैन और राजेश तैलंग भी हैं.

सनी लियोन ने हॉट ब्रालेट पहन दिए सेक्सी पोज

एक्ट्रेस की स्टनिंग तस्वीरें सोशल मीडिया पर हुई वायरल

बॉलीवुड की हॉट और बोल्ड अभिनेत्री सनी लियोन ने एक बार फिर से अपने बोल्ड लुक से सभी को दीवाना बना दिया है. सनी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह मल्टीकलर ब्रालेट और पर्पल जैकेट में बेहद हॉट लग रही हैं. सनी लियोन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. सनी को मैक्सिको घूमना बेहद पसंद है और यही वजह है कि हर साल हॉलिडे पर उन्हें पति डेनियल विबर के साथ मेक्सिको में स्पॉट किया जाता है। सनी जहां भी जाती हैं उन्हे देखने लिए दिवानों की तरह उनके फैन उमड़ पड़ते हैं। फैन की इसी दिवानगी का सनी बहुत सम्मान करती हैं, इसलिए वह फैन के लिए सोशल मीडिया पर एक से एक अपनी खूबसूरत तस्वीर साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस सनी लियोन के हॉट और सेक्सी अदाओं का तो बॉलीवुड में हर कोई दिवाना है।

पुष्पा 2 से फहाद फासिल का धांसू पोस्टर आउट

एक हाथ में कुल्हाड़ी दूजे में गन, लुंगी पर जैकेट पहने आए नजर

फिल्म पुष्पा- द राइज में विलेन भंवर सिंह शेखावत का खौफनाक रोल कर फिल्म इंडस्ट्री में छाए मलयालम एक्टर फहाद फासिल आज 8 अगस्त को अपना 42वां जन्मदिन बना रहे हैं. इस मौके पर एक्टर ने अपने फैंस को बिग सरप्राइज दिया है. फहाद फासिल के 42वें बर्थडे पर उनके फैंस को पता चला है कि वह रजनीकांत और अमिताभ बच्चन स्टार एक्शन ड्रामा फिल्म वैट्टेयन में नजर आएंगे. इस फिल्म से एक्टर का फर्स्ट लुक पोस्टर भी सामने आया है. अब पुष्पा 2 के मेकर्स ने फिल्म के विलेन फहाद फासिल का पोस्टर शेयर कर उन्हें जन्मदिन विश किया है. पुष्पा मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फहाद फासिल का धांसू पोस्टर शेयर किया है. पुष्पा टीम ने फहाद को बर्थडे विश कर लिखा है, स्टेलर एक्टर फहाद फासिल को जन्मदिन की हार्दिक बधाई, आईपीएस भंवर सिंह शेखावत बिग स्क्रीन पर धांसू एक्शन से लौटेंगे. फहाद के इस पोस्टर की बात करें तो इसमें वह लुंगी पर जैकेट पहने हुए हैं. आंखों पर काला चश्मा लगाया हुआ है. एक हाथ में

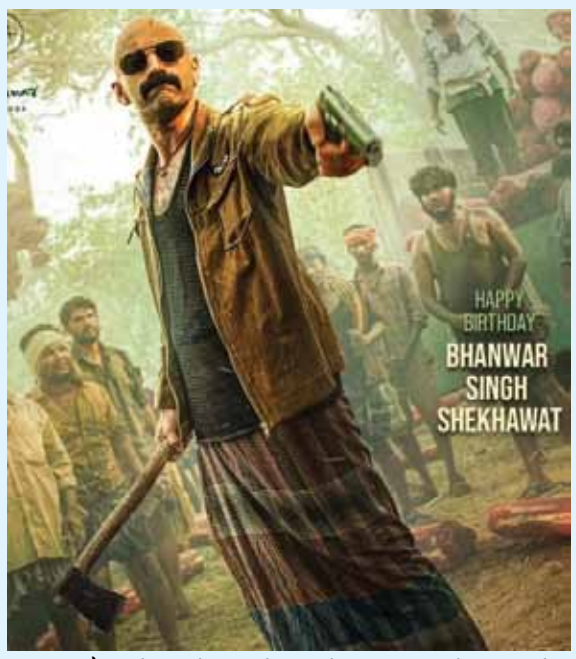

कुल्हाड़ी और दूसरे हाथ में गन ताने खड़े हैं. वहीं, एक्टर के पीछे पेड़ों पर गुंडों को लटकाया हुआ है. अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की हिट जोड़ी की फिल्म पुष्पा 2 द रूल का इंतजार उनके देसी और विदेशी फैंस दोनों को है. फिल्म पुष्पा 2 द रूल पहले 15 अगस्त को रिलीज होनी थी, लेकिन अब फिल्म की रिलीज डेट तीन महीने आगे खिसका दी गई है. अब पुष्पा 2 द रूल आगामी 6 दिसंबर को वर्ल्डवाइड रिलीज होने जा रही है. पुष्पा 2 द रूल का निर्देशन सुकुमार ने किया है.

लाइफ हिल गई में दिव्येंदु और मुक्ति मोहन के साथ बॉन्डिंग पर कुशा कपिला ने की खुलकर बात

कंटेंट क्रिएटर और एक्ट्रेस कुशा कपिला अपने अपकमिंग वेब सीरीज लाइफ हिल गई को लेकर चर्चाओं में है। एक्ट्रेस ने सेट पर को-एक्टर दिव्येंदु और मुक्ति मोहन के साथ अपने बॉन्डिंग के बारे में खुलकर बात की। बता दें कि सीरीज में मिर्जापुर फेम दिव्येंदु शर्मा और मुक्ति मोहन लीड रोल में हैं। मुक्ति मोहन ने दिव्येंदु की गर्लफ्रेंड का रोल निभाया है। कुशा ने इस रिश्ते के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा, सच कहूं तो यह बहुत आसान था। दूसरे या तीसरे दिन, नैनीताल में ओले पड़े और मौसम भी ठीक नहीं था। मुझे एक आउटडोर शूट करना था जो नहीं हो सका। हमारे निर्देशक प्रेम ने सुझाव दिया कि हम सब बैठकर बात करें। हमारी बातचीत शुरू हुई और हम एक दूसरे के साथ सहज हो गए। उन्होंने कहा, एक दूसरे के प्रति स्वाभाविक सौहार्द और स्नेह था, जो समय के साथ बढ़ता ही गया। मुक्ति के साथ काम करना वाकई बहुत बढ़िया अनुभव रहा। वह लंबे समय से अलग-अलग आर्ट फॉर्म्स करती रही हैं, जैसे एक्टिंग, डांसिंग और उनका अपना स्टूडियो भी है। यह

देखकर बहुत अच्छा लगा कि उन्होंने लोकल भाषा को जल्दी से सीख लिया और स्कूटी चलाना भी सीख लिया। वह सीखने के लिए आगे रहती हैं और सेट पर उनकी एनर्जी अद्भुत है। दिव्येंदु के बारे में बात करते हुए, कुशा ने कहा, दिव्येंदु एक लीजेंड हैं और एक्टिंग के मामले में बेहद शानदार हैं। वह सुनिश्चित करते हैं कि सीन में हर कोई अच्छा परफॉर्म करे, वह सीन शूट करने से पहले विस्तार से चर्चा करते हैं और सुझाव देते हैं। उनके जैसे सौहार्दपूर्ण व्यवहार के लिए मुझे उन्हें बहुत बड़ा श्रेय देना होगा। एक्ट्रेस ने कहा, उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि हम सभी एक साथ हों और उस किरदार को निभाएं जिसे हमें निभाना था। यह सीरीज आरुषि निशंक और हिमश्री फिल्म्स द्वारा निर्मित, प्रेम मिस्त्री द्वारा निर्देशित और जसमीत सिंह भाटिया द्वारा लिखित है। इसमें दिव्येंदु और कुशा के साथ विनय पाठक, मुक्ति मोहन, कबीर बेदी, भाग्यश्री और अदिति गोवित्रिकर जैसे कलाकार भी हैं। लाइफ हिल गई 9 अगस्त से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।